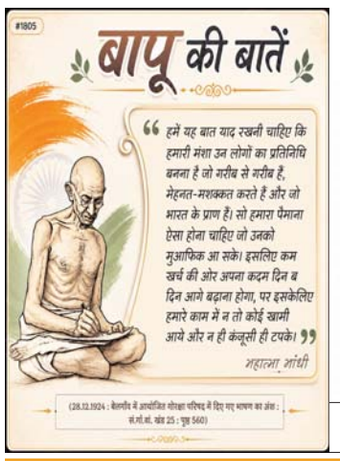

दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K

RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-143 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 15 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

भोजशाला विवाद पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

मुस्लिम पक्ष को नमाज की अनुमति नहीं, मिलेगी खुली जगह

नई दिल्ली/धार(आरएनएस)। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा धार की भोजशाला को मंदिर घोषित करने के फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्ष की 3 याचिकाओं पर एक साथ मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई. सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ मुस्लिम पक्षों की अपील पर सुनवाई करने पर सहमति जताई. कोर्ट ने शुक्रवार को परिसर में नमाज पढ़ने की मुस्लिम पक्षों की मांग को मंजूरी नहीं दी. मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी.मोहना की बेंच ने की.सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ़ मुस्लिम पक्ष की ओर से दायर 3 याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार, राज्य सरकार और आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया (एएसआई) से जवाब मांगा है. बेंच ने कहा शुक्रवार को दोपहर 1 बजे से 3 बजे के बीच नमाज पढ़ने के लिए अपील करने वालों और मुस्लिम समुदाय के अन्य सदस्यों को संबंधित परिसर से सटी एक अलग खुली जगह दी जा सकती है. कोर्ट ने साफ किया यह व्यवस्था अंतिम नतीजे पर निर्भर करेगी और यह अस्थायी होगी. इससे दोनों पक्षों के दावों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया एएसआई कोई ढांचागत बदलाव न करे. मुस्लिम पक्ष के वकील ने तर्क दिया 2003 से चली आ रही पुरानी व्यवस्था, जिसके तहत तय दिनों पर उस जगह पर हिंदू और मुस्लिम पूजा कर सकते थे, को इस दौरान जारी रहने दिया जाना चाहिए. उनके मुवक्किलों को पूरी तरह से बाहर कर दिया गया है. कोर्ट ने कहा ये बहुत संवेदनशील मामला है. कोर्ट में कही गई बातों से बेवजह विवाद पैदा हो सकते हैं या ग़लत संदेश जा सकता है. हमें इस्तेमाल की जाने वाली हर बात को लेकर बहुत सावधान रहना होगा.कोर्ट ने गौर किया यह पहली बार था जब अंतरिम व्यवस्था से जुड़ा मुद्दा उसके सामने आया. कोर्ट ने मौखिक रूप से कहा, हमारी राय है कि अभी जो भी व्यवस्था लागू है, उसके साथ ही मामले को 10 से 15 दिन के भीतर किसी उपयुक्त बेंच के सामने सूचीबद्ध किया जा सकता है. उसे ऐसा कोई आदेश नहीं देना चाहिए, जिससे तनाव पैदा हो. मुस्लिम पक्ष की ओर से सीनियर एडवोकेट हुज़ेफ़ा अहमदी ने दलील दी मुख्य मुद्दा यह था कि क्या तथ्यों से जुड़े विवादों को रिट याचिका के ज़रिए सुलझाया जा सकता था. लगभग 800 साल से चली आ रही यथास्थिति को बिगाड़ा गया है. मध्य प्रदेश और केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा हाई कोर्ट के फ़ैसले के बाद के दो महीनों में कई घटनाक्रम हुए हैं।

भारत ने होर्मुज में जहाजों पर हुए हमलों की निंदा की, ईरानी राजनयिक को तलब किया

नईदिल्ली,(आरएनएस)। होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाज पर हुए हमले के बाद भारत ने सख्त रुख अपनाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने अपना विरोध दर्ज करवाने के लिए ईरान के उप राजदूत को विदेश मंत्रालय में तलब किया है। एक तस्वीर भी सामने आई है, जिसमें भारत में ईरान के उप मिशन प्रमुख मोहम्मद जवाद हुसैनी और कुछ अन्य ईरानी राजनयिक विदेश मंत्रालय से बाहर निकलते हुए दिखाई दे रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा, दोनों जहाजों पर कुल 30 भारतीय नाविक सवार थे। अल बहिया पर सवार 12 भारतीय नागरिकों में से एक की दुखद मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया। मोंबासा पर 18 भारतीय नागरिकों में से 9 को चोटें आई हैं, जिनमें से 2 गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

उत्तराखंड के हरिद्वार ज़िले में हर की पौड़ी पर श्रद्धालु अमावस्या के मौके पर गंगा में पवित्र डुबकी लगाते हैं और पूजा-अर्चना करते हुए ।

अंतरिक्ष दीर्घा में विज्ञान से संबंधित कृतियां विश्व स्तरीय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत ने किया अंतरिक्ष अन्वेषण दीर्घा का शुभारंभ

नईदिल्ली (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भोपाल स्थित आंचलिक विज्ञान केंद्र में अंतरिक्ष अन्वेषण दीर्घा का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे विद्यार्थियों ने अंतरिक्ष दीर्घा का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केन्द्रीय मंत्री श्री शेखावत ने अनेक प्रादर्श देखे और उनकी सराहना की। प्रदेश में अपने तरह की इस अनोखी अंतरिक्ष अन्वेषण दीर्घा के भोपाल जिला प्रशासन भी सहभागी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आंचलिक विज्ञान केन्द्र में केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत का स्वागत करते हुए कहा कि उन्होंने अंतरिक्ष अन्वेषण दीर्घा के शुभारंभ के लिए भोपाल आकर हमारा उत्साहवर्धन किया है। उन्होंने दीर्घा का सूक्ष्मता से अवलोकन किया है। इस क्षेत्र में उनका मार्गदर्शन भी मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विभिन्न क्षेत्रों में मंत्रालय कार्य कर रहे हैं। भविष्य की दृष्टि से विज्ञान के क्षेत्र में भारत ने जिस तरह अपने कदम बढ़ाए हैं, स्पेस टेक्नोलॉजी से लेकर अन्य सभी क्षेत्रों में अद्भुत कार्य हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह भी महत्वपूर्ण है कि आंचलिक विज्ञान केन्द्र भोपाल में अंतरिक्ष अन्वेषण दीर्घा की स्थापना कम व्यय से हुई है और इसमें अधिकतम जानकारी देने की व्यवस्था की गई है।

नेपाल सीमा से बिना दस्तावेजों के पकड़ा गया पूर्व अमेरिकी सैनिक, पिछले साल भारत में घुसा

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारत-नेपाल सीमा के पास सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने अमेरिका के एक नागरिक को गिरफ्तार किया है, जो बिना दस्तावेजों के नेपाल में घुसने की कोशिश कर रहा था। ये शख्स उत्तर प्रदेश के सोनाउली पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले मैनिहवा इलाके के पास पकड़ा गया। एसएसबी ने जब शख्स ये दस्तावेज मांगे तो उसके पास पासपोर्ट या वीजा जैसा कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला। इसके बाद शख्स को हिरासत में लिया गया है।ये घटना 11 जुलाई की है। रिपोर्ट के मुताबिक, नियमित गश्त के दौरान एसएसबी की 22वीं वाहिनी के जवानों ने सीमा स्तंभ 516 के पास इस शख्स को दबोचा।तलाशी के दौरान उसके पास से 31,460 रुपये नकद और 2 मोबाइल फोन बरामद हुए, लेकिन पहचान से जुड़ा कोई दस्तावेज नहीं मिला।वह बार-बार अपने बयान भी बदल रहा था। पूछताछ में उसने अपना नाम जॉर्डन ब्राउन बताया और कहा कि वह अमेरिका के कैलिफोर्निया का निवासी है।हिरासत में लिए जाने के दौरान ब्राउन ने एसएसबी जवान का हाथ छुड़ाकर भागने की कोशिश की। इस दौरान थोड़ी देर के लिए स्थिति तनावपूर्ण हो गई। किसी तरह एसएसबी जवानों और स्थानीय ग्रामीणों ने उसे पकड़ा।

ई20 पेट्रोल के खिलाफ केजरीवाल ने शुरू किया ऑनलाइन सिग्नेचर कैंपेन, पीएम मोदी को भी लिखा पत्र

नई दिल्ली,(आरएनएस)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ई20 पेट्रोल के मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर देशभर में ई20 पेट्रोल को लेकर उठ रही शिकायतों का हवाला देते हुए दो प्रमुख मांगें रखी हैं.

केजरीवाल ने हर पेट्रोल पंप पर शुद्ध पेट्रोल और ई20 पेट्रोल दोनों का विकल्प उपलब्ध कराने तथा कम माइलेज मिलने के कारण ई20 की कीमत सामान्य पेट्रोल से कम रखने की मांग की है. साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री से मुलाकात का समय भी मांगा है. प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान केजरीवाल ने यह भी घोषणा की कि वह गुरुवार शाम 5 बजे जंतर-मंतर पहुंचकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के पेपर लीक विरोधी आंदोलन को समर्थन देंगे और अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक से मुलाकात करेंगे।

रथयात्रा से पहले गुजरात को दहलाने की साजिश? ATS ने 5 संदिग्धों को किया गिरफ्तार; जैश से जुड़े होने का शक

अहमदाबाद,(आरएनएस)। अहमदाबाद सहित पूरे गुजरात में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकलने में अब केवल दो दिन का समय बचा है। इस पावन और बड़े उत्सव से ठीक पहले गुजरात एटीएस (ATS) ने सुरक्षा के लिहाज से एक बहुत बड़ी सफलता हासिल की है। एटीएस की टीम ने सिद्धपुर से 5 संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जिनसे किसी बड़ी आतंकी साजिश को लेकर गहन पूछताछ की जा रही है। 16 जुलाई को अहमदाबाद, भावनगर, वडोदरा, पाटन और राजकोट सहित राज्य के कई प्रमुख शहरों में भव्य रथयात्रा निकाली जानी है, जिसे लेकर पुलिस ने पूरे राज्य में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी है।

खुफिया एजेंसियों को अहम इनपुट मिला था कि रथयात्रा के दौरान राज्य की शांति और सुरक्षा व्यवस्था को भंग करने के इरादे से कुछ खतरनाक संगठन सक्रिय हो रहे हैं। जांच के दौरान इन आतंकी संगठनों के तार सिद्धपुर तालुका से जुड़े होने के पुख्ता सबूत मिले थे। इसके तुरंत बाद एटीएस ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर एक बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया और 5 संदिग्धों को धर दबोचा। जांच एजेंसियां अब इस दिशा में विस्तृत जांच कर रही हैं कि पकड़े गए इन संदिग्धों का संबंध आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद या किसी अन्य खूंखार स्लीपर सेल से है या नहीं।

लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ गैंग पर अमेरिकी एक्शन, विदेश मंत्रालय ने दिया दो टूक जवाब

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत ने मंगलवार को कहा कि उसने कनाडा के एक सीनियर पुलिस अधिकारी की बात पर ध्यान दिया है. अधिकारी ने कहा था कि 2023 में सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच कर रहे लोगों को ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है, जिससे भारतीय सरकारी एजेंटों का इस हत्या से कोई संबंध साबित हो सके.रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस की डिप्टी कमिश्नर लिसा मोरलैंड की ये टिप्पणी पिछले हफ़्ते तब आई, जब अमेरिकी अधिकारियों ने जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके साथी सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ पर निज्जर की हत्या का आदेश देने का आरोप लगाया.मोरलैंड की टिप्पणी कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के उस आरोप के उलट थी, जिसमें उन्होंने सिख अलगाववादी की हत्या के लिए भारतीय सरकारी एजेंटों को जिम्मेदार ठहराया था।

चारा घोटालाः सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को दिया झटका, लालू यादव की जमानत बरकरार

नईदिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट से लालू प्रसाद यादव को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने चारा घोटाला मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद लालू को जमानत देने के झारखंड हाई कोर्ट के आदेश में दखल देने से इनकार कर दिया। साथ ही कोर्ट ने हाई कोर्ट को 6 महीने के भीतर लालू की लंबित आपराधिक अपील पर फैसला करने का आदेश दिया है। यानी फिलहाल लालू की जमानत बरकरार रहेगी।दरअसल, लालू को देवघर चारा घोटाले में दोषी ठहराया गया था और उन्हें जमानत मिल गई थी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उनकी जमानत रद्द करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।इस पर जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की पीठ ने सुनवाई की।पीठ ने सीबीआई की अपील को ठुकराते हुए कहा, हम इस मामले में दखल देने के लिए तैयार नहीं हैं।1990 के दशक में हुए चारा घोटाले में बिहार के पशुपालन विभाग के खजाने से पशुओं के चारे और अन्य चीजों से संबंधित 900 करोड़ रुपये अवैध तरीके से निकाले गए थे।

पीओके में पाकिस्तानी सेना का खूनी खेल, निहत्थे नागरिकों पर बरसाई अंधाधुंध गोलियां; 6 की मौत से सुलग उठा इलाका

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में पाकिस्तानी सेना का क्रूर और अमानवीय चेहरा एक बार फिर दुनिया के सामने बेनकाब हुआ है। मंगलवार तड़के पाकिस्तानी फौज और सुरक्षा बलों ने बिना किसी उकसावे के स्थानीय निहत्थे नागरिकों पर अचानक बड़ी हिंसक कार्रवाई कर दी। इस अंधी गोलीबारी और बर्बरता में कम से कम 6 बेगुनाह नागरिकों की बेरहमी से जान ले ली गई है। पाकिस्तानी सेना के इस खूनी खेल और जुल्म के बाद पूरे इलाके में भयंकर आक्रोश फैल गया है और हालात अब पूरी तरह से बेकाबू हो चुके हैं।सुबह-सुबह फौज ने बोला धावा, मच गई चीख-पुकारस्थानीय सूत्रों और मिली जानकारी के मुताबिक, आज सुबह-सुबह जब लोग अपने रोजमर्रा के कामों की शुरुआत कर रहे थे, तभी पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने नागरिकों के खिलाफ एक सोची-समझी साजिश के तहत बड़ी सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी। देखते ही देखते फौजियों ने निहत्थे और शांतिपूर्ण लोगों पर भारी बल प्रयोग किया ।

महाप्रभु के स्वास्थ्य में हुआ सुधार, कल से निकलेंगे नगर भ्रमण को

-जगदीश मंदिर में रथ हुआ तैयार, रथयात्रा महोत्सव कल से

रश्मि गौड़

नर्मदापुरम। शहर के प्रसिद्ध जगदीश मंदिर में रथयात्रा महोत्सव के लिए रथ को संवारा जा रहा है। भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और बलदाऊ के स्वस्थ होते ही अब जगदीश मंदिर में रथ यात्रा की तैयारी अंतिम चरण में चल रही है। भगवान अपने भक्तों को दर्शन देने के लिए विशाल रथ पर रथारूढ़ होकर नगर भ्रमण के लिए आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि अर्थात 16 जुलाई को निकलेंगे। इसमें शामिल होने व भगवान के दर्शन करने के लिए साधु.संतों का आना शुरू हो गया है। रथ यात्रा की तैयारी में जगदीश मंदिर में उत्सव का माहौल बना हुआ है। जगदीश मंदिर की धर्मशाला में रखे हुए रथ की सफाई के बाद उसकी पुताई करने के साथ संवारने का कार्य शुरू हो गया है। रथ यात्रा महोत्सव में शामिल होने के लिए जगदीश मंदिर में देश के विभिन्न प्रांतों से साधु संतों का आगमन होने लगा है। जिसमें अयोध्या, काशी, सहित अन्य धार्मिक स्थानों से साधु संतों, महंतों और पंडित पुजारियों के आने का सिलसिला शुरू हो गया है। विभिन्न धार्मिक स्थानों से साधु संतों का आगमन हो रहा है। जगदीश मंदिर के महंत नारायण दास ने बताया कि मंदिर में रथ यात्रा की तैयारी जारी है। परंपरानुसार दूज को शाम के समय भगवान की पूजन अर्चन के बाद शयन कक्ष से नियमानुसार बाहर लाया जाएगा उसके बाद रथ पर रथारूढ़ कराने के बाद पूजन अर्चन और आरती की जाएगी। उसके बाद रथ यात्रा गाजे.बाजे के साथ नगर भ्रमण को निकलेगी। भगवान श्रद्धालुओं को स्वयं ही दर्शन देने के लिए ही मुख्य मार्ग से निकलेंगे। प्रथम पड़ाव जनकपुरी में ही होगा। उसके बाद ग्वालटोली और अन्य स्थानों पर होगा। जिन स्थानों पर रथ पहुंचता है उन क्षेत्र के नागरिकों को भगवान के रथ का इंतजार अभी से होने लगा है।

जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव आज

अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष पद पर त्रिकोणीय मुकाबला 22 उम्मीदवार हैं मैदान में, ग्रंथपाल पद के लिए सौरभ तिवारी निर्विरोध

नर्मदापुरम (निप्र) । जिला अधिवक्ता संघ के द्विवार्षिक चुनाव 15 जुलाई को प्रात: 10 बजे से प्रारंभ होंगे। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव व कोषाध्यक्ष पद के लिए त्रिकोणीय मुकाबला है। सहसचिव पद के लिए आमने सामने की टक्कर है। वहीं कार्यकारिणी के लिए 8 प्रत्याशियों में से चयन होना है। जिला अधिवक्ता संघ के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एसएस पटेल व सहायक अधिकारी राजेश अग्रवाल ने बताया कि मतदान प्रात: 10 बजे से शुरू हो जाएंगे। मतगणना 16 जुलाई को प्रात: 10 बजे से होगी। ग्रंथपाल पद के लिए सौरभ तिवारी एक मात्र प्रत्याशी होने से उन्हें निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है।

अध्यक्ष पद के लिए अजय प्रकाश श्रीवास्तव, मनोज जराठे, व सुरेंद्र सिंह राजपूत उम्मीदवार है। वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए दिलीप सिंह ठाकुर केशव सिंह चौहान और नीरज कुमार पटेल मैंदान में हैं। सचिव पद के लिए आशीष सिंह ठाकुर, अनुपम दुबे व मोहन लाल यादव के बीच चुनाव होना है। सहसचिव पद के लिए राकेश शर्मा और सीके कुरापा के बीच सीधी टक्कर है। महिला के लिए आरक्षित कोषाध्यक्ष पद के लिए श्रीमती गुरप्रीत सिंह कौर कुमारी प्रमिला शर्मा सुश्री शमशाद खान के बीच चुनाव होना है। कार्यकारिणी पद हेतु श्रीकांत रघुवंशी, श्रीमती नीता

चौधरी बालकराम अहिरवार लखन लाल आनंद गिरी व सलोनी अग्रवाल मैदान में कीर प्रशांत गोहला श्रीमती दीप्ति राठौर हैं।

प्रदेश के बुनियादी ढांचे और जन-कल्याण के लिए 10 हजार 800 करोड़ रुपये की स्वीकृति

कुण्डलिया वृहद सिंचाई परियोजना 2031 तक निरंतर रखने के लिए 245 करोड़ 45 लाख रूपये की स्वीकृति

मूंग उपार्जन के लिए 1,587 करोड़ रूपये की नि:शुल्क शासकीय प्रत्याभूति उपलब्ध कराए जाने का निर्णय

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद की बैठक में मध्यप्रदेश के बुनियादी ढांचे और जन-कल्याण के लिए 10 हजार 800 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। राज्य सरकार ने शहरों के कायाकल्प के लिए नगरीय अधोसंरचना विकास मद में 8 हजार 445 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। इसके साथ ही कैबिनेट ने किसानों के हित में मूंग उपार्जन के लिए 1,587 करोड़ रुपये की नि:शुल्क शासकीय प्रत्याभूति और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए कुण्डलिया परियोजना को निरंतर रखने जैसे कई दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णयों पर मुहर लगायी है।

कुण्डलिया वृहद सिंचाई परियोजना की निरंतरता के लिए 245 करोड़ 45 लाख रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने राजगढ़ में जल संसाधन विभाग की कुण्डलिया वृहद सिंचाई परियोजना को 16वें केन्द्रीय वित्त आयोग की अवधि 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरन्तर संचालन के लिए 245 करोड़ 45 लाख रूपये की स्वीकृति दी है। राजगढ़ जिले में निर्मित यह एक वृहद सिंचाई परियोजना है। परियोजना का मुख्य उद्देश्य बांध निर्माण कर सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के माध्यम से राजगढ़ और आगर-मालवा जिले के 1,39,600 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता विकसित करना है।

मंत्रि-परिषद ने रबी वर्ष 2023-24 विपणन वर्ष 2024-25 में भारत सरकार की प्राईस सपोर्ट स्कीम अन्तर्गत लक्ष्य से अधिक उपार्जित मूंग के लिए 1,587 करोड़ रूपये की नि:शुल्क शासकीय प्रत्याभूति उपलब्ध कराए जाने का निर्णय लिया है। निर्णय अनुसार पंजाब नेशनल बैंक से ली गई साख सीमा में 19 जुलाई 2026 से 18 जनवरी 2027 तक 6 माह की अवधि के लिए शेष राशि 396 करोड़ रूपये की नि:शुल्क शासकीय प्रत्याभूति और भारतीय स्टेट बैंक से ली गई साख सीमा में 3 जुलाई 2026 से 2 जुलाई 2027 तक 1 वर्ष की अवधि के लिए शेष राशि 1,191 करोड़ रूपये की नि:शुल्क शासकीय प्रत्याभूति उपलब्ध कराई जायेगी। मंत्रि-परिषद ने टेक-होम राशन के उत्पादन एवं प्रदाय की व्यवस्था मध्यप्रदेश राज्य आजीविका फोरम से वापस लेते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग को तत्काल हस्तांतरित किये जाने का निर्णय लिया है। तत्कालिक रूप से अन्तरिम व्यवस्था के रूप में स्व सहायता समूह से पूरक पोषण आहार प्रदाय के लिए विभाग को अधिकृत किया गया है। अन्तरिम व्यवस्था तत्काल प्रारंभ किए जाने के साथ ही भारत सरकार के नवीन दिशा निर्देश जारी होने एवं नवीन निर्देश अनुसार व्यवस्था स्थापित होने तक के लिए टेक होम राशन की व्यवस्था, अल्प कालीन निविदा के माध्यम से किए जाने के लिए विभाग को अधिकृत किया गया है। भारत सरकार के नवीन दिशा निर्देश जारी होने के बाद विभाग स्थायी व्यवस्था स्थापित करेगा।

ट्विशा केस: गिरिबाला-समर्थ का फिर वॉयस सैंपल देने से इनकार

CBI बोली- भोपाल AIIMS ने भी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट देने से मना किया, आरोपियों की रिमांड बढ़ी

भोपाल (निप्र)। एक्ट्रेस-मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध हालात में मौत के मामले में मंगलवार को भोपाल जिला अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई हुई। CBI ने कोर्ट को बताया कि पिछली पेशी में आरोपी गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह ने वॉयस सैंपल देने पर कोई आपत्ति नहीं जताई थी, लेकिन जब टीम इसके लिए 6 जुलाई को जेल पहुंची तो दोनों आरोपियों ने सहयोग नहीं किया।

CBI ने कहा कि वॉयस सैंपल के बिना जांच प्रभावित हो रही है। वहीं, गिरिबाला सिंह के वकील विनोद जॉर्ज करलो ने कहा कि उनके मुवक्किलों ने कभी भी वॉयस सैंपल देने से इनकार नहीं किया। CBI टीम के जेल पहुंचने पर गिरिबाला की तबीयत खराब थी, फिर भी उन्होंने दो बार सैंपल दिया। तीसरी बार स्वास्थ्य कारणों से अगले दिन सैंपल लेने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा- समर्थ सिंह भी जांच में पूरा सहयोग कर रहे हैं। CBI जब चाहे, उनका वॉयस सैंपल ले सकती है। उनकी आपत्ति केवल प्रक्रिया को लेकर है। सैंपल के लिए दी जाने वाली ट्रांसक्रिप्ट पहले रिकॉर्ड की गई ट्रांसक्रिप्ट से अलग होनी चाहिए, ताकि सैंपलिंग की निष्पक्षता और विश्वसनीयता बनी रहे। इस पर CBI ने वॉयस सैंपल लेने संबंधी अर्जी कोर्ट में पेश की, जिसे कोर्ट ने मंजूर करते हुए गिरिबाला और समर्थ की न्यायिक हिरासत 28 जुलाई तक बढ़ा दी। कोर्ट में पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट पर भी चर्चा हुई। ट्विशा पक्ष के वकील शुभांग दीक्षित के मुताबिक, भोपाल AIIMS ने अदालत को बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और उससे जुड़े सभी दस्तावेज पहले ही CBI को सौंपे जा चुके हैं इसलिए अलग से रिपोर्ट नहीं दी जाएगी।

भोपाल में हमीदिया रोड पर फर्नीचर शोरुम और गोदाम में लगी भीषण आग, लाखों का सामान जलकर खाक

भोपाल,(ए.) । मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के व्यस्त हमीदिया रोड पर मंगलवार सुबह एक फर्नीचर शोरूम और उसके गोदाम में भीषण आग लग गई। इस हादसे में शोरूम में रखा लाखों रुपये का कीमती फर्नीचर जलकर खाक हो गया, जिसे बुझाने में दमकल विभाग को करीब 5 घंटे की कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।हमीदिया रोड स्थित फर्नीचर शोरूम और उसके गोदाम में मंगलवार सुबह करीब साढ़े 5 बजे अचानक आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने इतना विकराल रूप ले लिया कि पूरे इलाके में काले धुएं का गुबार छा गया। हादसे की खबर मिलते ही दमकल विभाग की टीमें हरकत में आईं। आग की गंभीरता को देखते हुए फतेहगढ़, बोगदा पुल, कबाड़खाना, बैरागढ़ और गांधीनगर जैसे कई इलाकों के फायर स्टेशनों से दमकलें और पानी के टैंकर तुरंत मौके पर रवाना किए गए। फायर फाइटर नौशाद अली ने बताया कि कई दमकल वाहनों और पानी के टैंकरों की मदद से लगातार बौछारें करने के बाद सुबह करीब 10:20 बजे यानी पूरे 5 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका।

लाखों का सामान खाक, शॉर्ट सर्किट की आशंका

इस भीषण अग्निकांड के कारण शोरूम और गोदाम में रखा लाखों रुपये का कीमती सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गया है। नष्ट हुए सामानों में भारी मात्रा में सोफे, बेड, डाइनिंग टेबल, अलमारी, टी टेबल और घरों में उपयोग होने वाले कई अन्य सजावटी सामान शामिल थे। हालांकि, आग लगने की वास्तविक और सटीक वजह अभी तक पूरी तरह साफ नहीं हो पाई है, लेकिन शुरुआती जांच और परिस्थितियों को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि यह हादसा शॉर्ट सर्किट की वजह से हुआ होगा। फिलहाल, पुलिस ने इस घटना को लेकर अपनी जांच शुरू कर दी है।

भोपाल में रोजमर्रा के इस्तेमाल में ईवी पहली पसंद, 72 प्रतिशत बिक्री बढ़ी

भोपाल,(ए.) । भोपाल शहर में लोग अब पेट्रोल-डीजल वाहनों की बजाय बैटरी चालित इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को तेजी से अपना रहे हैं। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) भोपाल के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2026 के पहले छह महीनों में 8,271 ई-वाहनों का पंजीयन हुआ, जबकि वर्ष 2025 की इसी अवधि में यह संख्या 4,812 थी। यानी एक वर्ष में ई-वाहनों की बिक्री में लगभग 72 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस दौरान 3,459 अधिक ई-वाहन बिके। सबसे अधिक बढ़ोतरी ई-स्कूटर और ई-बाइक की बिक्री में हुई है। इनके बाद ई-आटो और छोटी ई-कारों की मांग भी तेजी से बढ़ी है। ई-वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता के पीछे तीन प्रमुख कारण सामने आए हैं। पहला, पेट्रोल 105 से 110 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90 रुपये प्रति लीटर से अधिक होने के कारण ईंधन खर्च लगातार बढ़ रहा है।

मानसून सत्र में विधानसभा में पेश हो सकता है UCC बिल

जानें क्या होंगे मध्य प्रदेश में बदलाव, आदिवासियों को दायरे से बाहर रखने सहित कई सिफारिशें

भोपाल। मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में सरकार ने बड़ा कदम बढ़ा दिया है। सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाली समिति ने अपनी अंतिम रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी है।

रिपोर्ट मिलने के एक दिन बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी हर मुद्दे को हिंदू-मुस्लिम और वोट बैंक की राजनीति के नजरिए से देखती है। उन्होंने कांग्रेस से यूसीसी पर अपना स्पष्ट रुख सार्वजनिक करने की मांग की।मंगलवार को विधानसभा परिसर में पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी की जयंती पर श्रद्धांजलि देने के बाद मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि यूसीसी पर गठित समिति ने अपना काम पूरा कर लिया है और रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है। अब कांग्रेस को भी यह बताना चाहिए कि वह समान नागरिक संहिता के समर्थन में है या विरोध में।

उन्होंने कहा, चाहे यूसीसी का मुद्दा हो या भोजशाला का मामला, कांग्रेस हर विषय को वोट बैंक की राजनीति के चश्मे से देखती है। जबकि यूसीसी पर सभी धर्मों के लोगों ने खुलकर अपने सुझाव दिए हैं। कांग्रेस अब तक अपना पक्ष स्पष्ट नहीं कर सकी है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में अनुसूचित जनजातियों (आदिवासियों) को यूसीसी के दायरे से बाहर रखने की सिफारिश की है।

सरकार की ओर से जारी बयान के अनुसार, मध्य प्रदेश की सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह सुझाव दिया गया है। सरकारी अधिकारियों के मुताबिक, रिपोर्ट विधि विभाग को भेज दी गई है। मसौदा विधेयक की कानूनी समीक्षा और वरिष्ठ अधिकारियों की समिति से परीक्षण के बाद इसे मंत्रिमंडल की मंजूरी के लिए रखा जाएगा।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के संपर्क अभियान 2026 में 1.47 लाख से अधिक शिकायतों का मौके पर निराकरण

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं का उनके घर के नजदीक त्वरित समाधान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा संचालित संपर्क अभियान 2026 को बड़ी सफलता मिली है। गत 14 मई से प्रारंभ हुए इस विशेष अभियान में भोपाल एवं ग्वालियर रीजन के 16 जिलों में अब तक 3355 विशेष शिविर आयोजित किए गए, जिनमें एक लाख 47 हजार 633 उपभोक्ताओं की शिकायतों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया।मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने मंगलवार को जानकारी दी कि भोपाल रीजन के अंतर्गत शहर वृत्त भोपाल में 249 शिविरों में 16,010 शिकायतों का निराकरण किया गया। बैतूल वृत्त में 296 शिविरों में 15,741 शिकायतों का निराकरण, भोपाल (ओ एंड एम) वृत्त में 159 शिविरों में 4,876 शिकायतों का निराकरण, हरदा वृत्त में 89 शिविरों में 13,671 शिकायतों का निराकरण, नर्मदापुरम वृत्त में 250 शिविरों में 20,966 शिकायतों का निराकरण, रायसेन वृत्त में 171 शिविरों में 11,739 शिकायतों का निराकरण, राजगढ़ वृत्त में 239 शिविरों में 3,163 शिकायतों का निराकरण, सीहोर वृत्त में 229 शिविरों में 5,446 शिकायतों का निराकरण तथा विदिशा वृत्त में 119 शिविरों में 7,102 शिकायतों का निराकरण किया गया।

मप्र के मुख्य पर्यटन स्थलों को मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में करें शामिल : राज्य मंत्री लोधी

- गैर-शासन संधारित मंदिरों के जीर्णोद्धार की योजना बनाने के निर्देश
- राज्य मंत्री लोधी ने ली धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग की समीक्षा बैठक

भोपाल,(ए.) । मध्य प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास और धर्मस्व राज्य मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा कि प्रदेश के मुख्य पर्यटन स्थलों सहित जीवनदायिनी मां नर्मदा की नर्मदा परिक्रमा को मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में शामिल करें। माँ नर्मदा प्रदेश के 16 जिलों से होकर गुजरती हैं, जिसे ध्यान में रखते हुए योजना बनाए। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा के अनुक्रम में अंतराज्यीय तीर्थ दर्शन के लिये बस संचालन की कार्ययोजना पर त्वरित कार्य करें।राज्य मंत्री लोधी मंगलवार को मंत्रालय में धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग की समीक्षा कर रहे थे। राज्य मंत्री लोधी ने कहा कि गैर शासन संधारित मंदिरों के जीर्णोद्धार की योजना बनाए। उन्होंने प्रदेश में शासन संधारित मंदिरों से संबद्ध भूमि की वस्तुस्थिति तथा राज्य के बाहर स्थित विभागीय परिसम्पत्तियों की वर्तमान स्थिति को भी जाना। राज्य मंत्री लोधी ने शासन संधारित मंदिरों के जीर्णोद्धार तथा उनके दस्तावेजीकरण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। बैठक में मध्यप्रदेश तीर्थस्थान एवं मेला प्राधिकरण के कार्यों, विभाग में रिक्त पदों की पूर्ति के संबंध में की जा रही कार्यवाही तथा सीएम मॉनिट, विभागीय घोषणाओं व सीएम हेल्पलाइन की अद्यतन स्थिति की भी प्रगति जानी गई। इसके अतिरिक्त, आगामी सिंहस्थ 2028 को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के दृष्टिगत विभाग द्वारा तैयार की गई विशेष कार्ययोजना की समीक्षा कर समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में राज्य मंत्री लोधी ने निर्देश दिए कि आगामी सिंहस्थ 2028 को भव्य, दिव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए विभाग एक समेकित एवं व्यापक कार्ययोजना तैयार करें।

5 अगस्त से भोपाल में ब्रिक्स का महाकुंभ, एआई, सांस्कृतिक विरासत और जलवायु पर दुनिया के दिग्गज करेंगे चर्चा

भोपाल(ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल अगले महीने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन की मेजबानी करने जा रही है। 5 से 8 अगस्त तक यहां तीसरी ब्रिक्स कल्चर वर्किंग ग्रुप (CWG), ब्रिक्स सांस्कृतिक महोत्सव और ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक आयोजित होगी।इस आयोजन में ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधि संस्कृति, तकनीक और वैश्विक चुनौतियों से जुड़े अहम विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं और आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी विभागों को समयबद्ध तरीके से व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं

भारतीय ज्ञान परंपरा का त्रैमासिक कैलेंडर जारी

जुलाई से सितम्बर तक विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में होंगे विविध आयोजन

भोपाल (निप्र) राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा से परिचित कराने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा विभाग ने जुलाई, अगस्त एवं सितम्बर 2026 का त्रैमासिक कैलेंडर जारी किया है। इसके तहत प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कैलेंडर के अनुसार 29 जुलाई 2026 को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु-शिष्य परंपरा पर केंद्रित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें गुरुजनों का तिलक एवं श्रीफल से सम्मान, गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व पर व्याख्यान, वृत्तचित्र प्रदर्शन तथा गीत एवं कविता वाचन जैसी गतिविधियां होंगी। 2 अगस्त 2026 को आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय जयंती एवं राष्ट्रीय रसायन विज्ञान दिवस पर आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के भारतीय विज्ञान और उद्योग में योगदान पर व्याख्यान, विज्ञान मॉडल एवं प्रोजेक्ट प्रदर्शनी, उनके व्यक्तित्व-कृतित्व पर चर्चा तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित होगी।20 अगस्त 2026 को भारतीय अक्षय ऊर्जा दिवस पर प्राचीन ग्रंथों में अक्षय ऊर्जा से संबंधित अवधारणाओं, ऊर्जा संरक्षण एवं भारतीय दृष्टिकोण पर विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान, लघु फिल्म/चित्र प्रदर्शनी, निबंध प्रतियोगिता तथा ऊर्जा संरक्षण संकल्प जैसी गतिविधियां होंगी। 14 सितम्बर 2026 को हिन्दी दिवस के अवसर पर भारतीय ज्ञान परंपरा में भाषा और साहित्य के योगदान से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने संचालनालय के सभागार में राज्य स्तरीय कार्यशाला क्रिएटिंग अवेल-फंक्शनिंग केयर इकोनॉमी का शुभारंभ किया

जेलों की सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए महानिदेशक डॉ. कपूर ने किया जेल का आकस्मिक निरीक्षण

सब जेल सोनकच्छ का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं के सुधार एवं कर्मचारियों के हित में दिए आवश्यक निर्देश

भोपाल (निप्र)। प्रदेश की जेलों में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से महानिदेशक जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं, मध्यप्रदेश डॉ. वरुण कपूर द्वारा 13 जुलाई 2026 को देवास जिले की सब जेल सोनकच्छ का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान डॉ. कपूर ने जेल की पाकशाला, गोदाम, बैरकों सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया तथा सुरक्षा, स्वच्छता एवं बंदियों के रखरखाव से संबंधित व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने जेल प्रशासन को आवश्यक मरम्मत एवं आधारभूत सुविधाओं के उन्नयन के लिये प्रस्ताव शीघ्र जेल मुख्यालय भेजने के निर्देश भी दिए। महानिदेशक डॉ. कपूर ने निरीक्षण में केवल बंदियों की समस्याओं का ही नहीं, बल्कि जेल कर्मचारियों की समस्याओं एवं आवश्यकताओं का भी गंभीरता से संज्ञान लिया। उन्होंने कर्मचारियों के लिए नवीन आवासों का शीघ्र निर्माण कराए जाने तथा आवश्यकतानुसार बजट उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। साथ ही जेल परिसर में आवश्यक सुधार एवं मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता के साथ संपादित करने पर बल दिया।निरीक्षण में जिला जेल देवास के जेल अधीक्षक विद्याभूषण प्रसाद, सब जेल सोनकच्छ के सहायक जेल अधीक्षक बुद्धिविलास आरख सहित समस्त जेल अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। महानिदेशक जेल डॉ. वरुण कपूर ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत जेल परिसर में वृक्षारोपण भी किया तथा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अधिकाधिक पौधारोपण कर उनके संरक्षण का संदेश दिया।

आषाढ़ अमावस्या पर चित्रकूट में उमड़ा आस्था का जनसैलाब, दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने की कामदगिरि परिक्रमा

सतना, (ए.)। आषाढ़ अमावस्या के अवसर पर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित धर्मनगरी चित्रकूट में मंगलवार को श्रद्धा और भक्ति का विराट संगम देखने को मिला। प्रशासन के अनुसार, दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान कामतानाथ के दर्शन कर कामदगिरि की परिक्रमा की। पूरे दिन मंदिर परिसर, रामघाट और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही।सोमवार देर रात से ही श्रद्धालुओं का चित्रकूट पहुंचना शुरू हो गया था। मंगलवार तड़के ब्रह्ममुहूर्त में श्रद्धालुओं ने मंदाकिनी नदी में पवित्र स्नान किया। इसके बाद उन्होंने मत्स्यगजेंद्रनाथ महाराज के दर्शन किए और भगवान कामतानाथ के दर्शन-पूजन के बाद कामदगिरि की परिक्रमा कर पुण्य अर्जित किया। पूरे तीर्थ क्षेत्र में दिनभर 'जय कामतानाथ' और 'जय श्रीराम' के जयघोष गूंजते रहे। कामदगिरि परिक्रमा के अलावा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हनुमान धारा, सती अनुसुइया आश्रम, गुप्त गोदावरी, स्फटिक शिला, भरत मिलाप सहित अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर दर्शन किए। देश के विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं के कारण चित्रकूट की सड़कें, घाट और मंदिर परिसर दिनभर श्रद्धालुओं से भरे रहे।मेले को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। प्रमुख चौराहों, मंदिरों और परिक्रमा मार्ग पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। चित्रकूट नगर परिषद के कंट्रोल रूम से पूरे मेले की व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की गई, जबकि प्रशासनिक अधिकारियों ने विभिन्न स्थलों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। हालांकि, भारी भीड़ के मुकाबले मूलभूत सुविधाएं पर्याप्त नहीं दिखीं। कई स्थानों पर पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं होने से श्रद्धालुओं को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ा। चलित शौचालयों की कमी के कारण विशेष रूप से महिला श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। उमस भरे मौसम, लंबी कतारों और सीमित सुविधाओं ने भी श्रद्धालुओं की मुश्किलें बढ़ा दीं।

100 साल पुराने शासकीय तालाब से कब्जा हटाने की मांग, ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

गुना (ए.)। मंगलवार को सुआटोर, गोपालपुरा, बडकुई, भोटूपुरा, डांगर, बरखेड़ा, गढ़ला, विश्रामपुरा सहित आधा दर्जन से अधिक गांवों के ग्रामीण बड़ी संख्या में कलेक्टोरेट पहुंचे और जनसुनवाई में कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर गोपालपुरा स्थित करीब 100 वर्ष पुराने शासकीय तालाब से कथित अवैध कब्जा हटाने की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि एक व्यक्ति और उसके साथियों ने तालाब पर जबरन कब्जा कर रखा है, जिससे आसपास के गांवों के लोगों को तालाब का लाभ नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि गोपालपुरा का यह शासकीय तालाब वर्षों से आसपास के गांवों की आजीविका और उपयोग का प्रमुख स्रोत रहा है। आरोप है कि गनपत नामक व्यक्ति अपने साथियों के साथ तालाब पर कब्जा जमाए हुए है और किसी भी ग्रामीण को वहां मछली पकड़ने या तालाब का उपयोग करने नहीं देता। विरोध करने पर गाली-गलौज करने के साथ जान से मारने की धमकी दी जाती है, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है।ग्रामीणों का कहना है कि इस विवाद को लेकर पहले ग्राम पंचायत में भी बैठक आयोजित की गई थी। उस दौरान संबंधित व्यक्ति ने भविष्य में तालाब पर कब्जा नहीं करने और मछली पालन नहीं करने का आश्वासन दिया था, लेकिन इसके बावजूद उसने दोबारा तालाब में मछली का बीज डालकर कब्जा बनाए रखा।

उज्जैन नवोदय विद्यालय के हॉस्टल से लापता दूसरे छात्र का भी मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

उज्जैन,(ए.)। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले के घट्टिया थाना क्षेत्र स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय के हॉस्टल से लापता हुए दोनों छात्रों के शव मिल गए हैं। 10वीं के छात्र प्रज्ञान विमल का शव मंगलवार सुबह तालाब में तैरता मिला था, जिसके बाद चले रेस्क्यू ऑपरेशन में करीब 21 घंटे बाद 9वीं के छात्र रोशन बरेठा का शव भी एसडीआरएफ और गोताखोरों की टीम ने ढूंढ निकाला।जानकारी के अनुसार, जवाहर नवोदय विद्यालय परिसर के पास स्थित तालाब में डूबे दोनों नाबालिग छात्रों की तलाश पूरी हो गई है, लेकिन इसका अंत बेहद दुखद रहा। सोमवार देर शाम हॉस्टल से लापता हुए दोनों छात्रों में से 15 वर्षीय प्रज्ञान विमल का शव मंगलवार सुबह करीब छह बजे ग्रामीणों की मदद से पानी पर उतराता हुआ बरामद किया गया था। इसके बाद मौके पर पहुंची एसडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय गोताखोरों की संयुक्त टीम ने दूसरे छात्र की खोज के लिए तालाब में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया। घटना के करीब 21 घंटे बाद आखिरकार 14 वर्षीय रोशन बरेठा का शव भी पानी की गहराइयों से ढूंढ निकाला गया। पुलिस ने दोनों शवों को मर्चुरी भेज दिया है, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन्हें परिजनों को सौंप दिया जाएगा।इस हादसे के बाद से पूरी तरह से सुरक्षित और आवासीय कहे जाने वाले नवोदय विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों और बेहद गुस्से में नजर आ रहे परिजनों ने आरोप लगाया है कि हॉस्टल में रात्रिकालीन उपस्थिति, वार्डन की मुस्तैदी और परिसर की सुरक्षा व्यवस्था में भारी लापरवाही बरती गई, जिसके चलते दो नाबालिग बच्चे देर रात हॉस्टल की सुरक्षा लांघकर बाहर निकल गए और इस हादसे का शिकार हो गए।

कंपनी की बड़ी कार्रवाई- 108 सेवा के डीएम और डीसी हटाए, कर्मचारियों ने वापस ली हड़ताल, एम्बुलेंस सेवा फिर हुई बहाल

गुना (ए.)। जिले में 108 एम्बुलेंस सेवा को लेकर पिछले दो दिनों से चल रहा विवाद फिलहाल समाप्त हो गया है। कर्मचारियों की शिकायतों पर कंपनी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जिला प्रबंधक (डीएम) और जिला समन्वयक (डीसी) को उनके पद से हटा दिया है। इसके बाद 108 एम्बुलेंस कर्मचारियों ने प्रस्तावित अनिश्चितकालीन हड़ताल वापस लेने की घोषणा कर दी है। अब जिलेभर में सभी एम्बुलेंस पहले की तरह संचालित हो रही हैं और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह सामान्य हो गई हैं।

गौरतलब है कि 108 एम्बुलेंस के ईएमटी और पायलटों ने स्थानीय अधिकारियों पर अभद्र व्यवहार, अवैध वसूली, ड्यूटी देने के नाम पर पैसे मांगने तथा खराब वाहनों को जबरन चलाने का दबाव बनाने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। कर्मचारियों ने चेतावनी दी थी कि यदि संबंधित अधिकारियों को नहीं हटाया गया तो मंगलवार रात 12 बजे से जिले की सभी 108 एम्बुलेंस खड़ी कर दी जाएंगी। कर्मचारियों के विरोध के बाद कंपनी ने पूरे मामले को गंभीरता से लिया और तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों अधिकारियों को हटा दिया। साथ ही जिले में नए अधिकारी की नियुक्ति भी कर दी गई है।

जनसुनवाई में 175 आवेदन हुए प्राप्त

जबलपुर(ए.)। राघवेंद्र सिंह ने कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। साप्ताहिक जनसुनवाई में आज नागरिकों से कुल 175 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 51 दोबारा आए आवेदन भी शामिल थे।जनसुनवाई में आए आवेदनों में नामांतरण, अतिक्रमण, सीमांकन, भुगतान, राजस्व प्रकरण, अनुकंपा नियुक्ति, बीपीएल कार्ड, नक्शा दुरुस्त कराने, गौशाला निर्माण के लिए भूमि आवंटन, भूअर्जन, स्कॉलरशिप, रिकॉर्ड सुधार, कब्जा, राशन कार्ड, अवैध कब्जा, संबल योजना अंतर्गत अनुग्रह सहायता, पीएम आवास, आपसी विवाद, आर्थिक सहायता तथा भूमि डायवर्सन से संबंधित रहे।

फर्जी डिग्रियों से सरकारी नौकरी प्राप्त करने वाले 9 शिक्षकों पर एफआईआर, सेवाएं खत्म

राजगढ़, (ए.)। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले में फर्जी शैक्षणिक दस्तावेजों के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल करने का बड़ा मामला सामने आया है। ब्यावरा शहर थाना पुलिस ने मंगलवार को आठ प्राथमिक शिक्षकों और नरसिंहगढ़ थाना पुलिस ने एक शिक्षक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज किया है। मामला वर्ष 2007 से 2026 के बीच नियुक्ति एवं संविलियन के दौरान कथित रूप से कूटरचित शैक्षणिक दस्तावेज प्रस्तुत कर शासकीय सेवा प्राप्त करने से जुड़ा है। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पदस्थ सावन पाटीदार की शिकायत पर रमेशचंद्र पुत्र मदनलाल यादव,पवन पुत्र गंगाराम शर्मा,सुनील पुत्र भंवरलाल प्रजापति, हेमंत पुत्र शिवचरण शर्मा, सावित्री पुत्री बिहारीलाल दांगी, बनेसिंह पुत्र गोवर्धन

लववंशी, भारत सिंह पुत्र पूनमचंद यादव, हरिप्रसाद पुत्र रामसिंह लववंशी और हिम्मतसिंह मीना को आरोपित बनाया गया है। पुलिस ने आरोपित शिक्षकों के खिलाफ धारा 318 (4),336 (3), 338, 340(2)बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु की।जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ. गिरीशकुमार मिश्रा के निर्देशन में प्राप्त शिकायतों की जांच कराई गई। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल और कर्नाटक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी (केएसओयू), मैसूर से कराए गए दस्तावेजों के सत्यापन में कई प्रमाणपत्र अप्रमाणित पाए गए।

इसके बाद गठित जांच समिति ने 3 जुलाई 2026 को अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट के आधार पर संबंधित शिक्षकों को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर दिया गया, लेकिन वे सत्यापन प्रतिवेदनों का खंडन नहीं कर सके। इसके बाद नियमानुसार उनकी सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गईं। जांच समिति की अनुशंसा पर जिला शिक्षा अधिकारी ने पुलिस अधीक्षक को आपराधिक कार्रवाई के लिए अलग से विस्तृत प्रतिवेदन भेजा था।

व्यापार समाचार

पोल्ट्री उद्योग में तेजी के संकेत, वित्त वर्ष 2027 में आय में 7प्रतिशत वृद्धि का अनुमान

नई दिल्ली (ए.)। भारत के पोल्ट्री सेक्टर की आय वित्त वर्ष 27 में 6-7 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। इसके साथ, आय में पिछले वर्ष के मुकाबले 50 से 100 आधार अंक की बढ़ोतरी की उम्मीद है। यह जानकारी मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 26 के दौरान पोल्ट्री इंडस्ट्री के परिचालन प्रदर्शन में स्थिरता देखी गई। इसकी वजह उत्पादन में अच्छी बढ़ोतरी, रिटेल, इंस्टीट्यूशनल और फूड-सर्विस चैनलों में मजबूत मांग के साथ आपूर्ति-मांग की बेहतर स्थिति थी।

रिपोर्ट में कहा गया है, प्रोटीन की बढ़ती खपत, शहरीकरण, लोगों की खरीदने की क्षमता में सुधार और खान-पान की बदलती आदतों की वजह से भारत अंडे और पोल्ट्री मीट के दुनिया के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक बना हुआ है।

रिपोर्ट में बताया गया है, फीड कन्वर्जन रेश्यो (एफसीआर) को बेहतर बनाने, फार्म मैनेजमेंट के अच्छे तरीकों और कामकाज की क्षमता बढ़ाने पर ध्यान देने से संगठित पोल्ट्री इंडस्ट्री में उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।रेटिंग एजेंसी ने अपने अनुमान में कहा कि प्रोटीन की बढ़ती खपत, शहरीकरण और संगठित खिलाड़ियों द्वारा क्षमता बढ़ाने की वजह से वित्त वर्ष 27 में अंडे और मीट के उत्पादन में अच्छी रफ्तार बनी रहेगी।संगठित रिटेल, क्विक-सर्विस रेस्टोरेंट (क्यूएसआर), कोल्ड-चेन इंफ्रास्ट्रक्चर और निर्यात के मौकों के बढ़ने से प्रोसेस्ड पोल्ट्री सेक्टर में बढ़ोतरी हो रही है। इससे लंबे समय में ग्रोथ और वैल्यू एडिशन के नए रास्ते खुलने की उम्मीद है।रिपोर्ट के अनुसार, एडवांस्ड ब्रीडिंग, सटीक न्यूट्रिशन, ऑटोमेशन और बेहतर फार्म मैनेजमेंट को अपनाने से उत्पादकता और फीड कन्वर्जन रेश्यो में सुधार होने की उम्मीद है।इस इंडस्ट्री में लगभग 60-65 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाली संगठित कंपनियों ने इंटीग्रेटेड ऑपरेशन, बेहतर फीड खरीद और मजबूत प्राइसिंग अनुशासन के जरिए वित्त वर्ष 26 में मुनाफे में जबरदस्त सुधार देखा।

भारत और स्पेन के बीच बढ़ेगा औद्योगिक सहयोग, सप्लाई चेन को मजबूत करने पर चर्चा

नई दिल्ली 14 जुलाई ,। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्पेन के उद्योग और पर्यटन मंत्री जॉर्डी हेरेउ से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने व्यापार, निवेश, मैन्युफैक्चरिंग, इनोवेशन, पर्यटन और भविष्य के लिए तैयार अन्य क्षेत्रों में भारत-स्पेन सहयोग को मजबूत करने के नए अवसरों पर चर्चा की।अर्थव्यवस्था के यह मुख्य क्षेत्र विकास, प्रतिस्पर्धा और रोजगार पैदा करने में अहम भूमिका निभाते हैं।गोयल ने कहा, हमने भारत-ईयू एफटीए पर भी चर्चा की और दोनों देशों के आपसी फायदे के लिए औद्योगिक साझेदारी को मजबूत करने, मजबूत सप्लाई चेन बनाने और आर्थिक सहयोग को गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।इससे पहले केंद्रीय मंत्री ने कहा था कि भारत और स्पेन को अगले 10 सालों में अपने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को 10 गुना बढ़ाने पर विचार करना चाहिए।गोयल ने कहा कि एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, मोबिलिटी, रेलवे, सस्टेनेबिलिटी, इनोवेशन, कला, विज्ञान और संस्कृति कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें भारत और स्पेन के बीच बेहतर सहयोग हो सकता है।गोयल ने कहा, इंडिया-स्पेन बिजनेस फोरम में मुख्य भाषण देते हुए मुझे खुशी हो रही है। मैंने हमारे व्यापार और निवेश संबंधों में जबरदस्त बढ़ोतरी हासिल करने के लिए भारत और स्पेन के बीच सामान और सेवाओं के मुक्त प्रवाह को बढ़ावा देने की जरूरत पर जोर दिया।उन्होंने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए चार तरीके सुझाए, जिसमें एक-दूसरे के भविष्य में ज्यादा और व्यापक निवेश करना, भारत-ईयू एफटीए से मिलने वाले सभी मौकों का फायदा उठाना, पर्यटन और टैलेंट को जोड़ना और सरकार-से-सरकार के संबंधों को और मजबूत करना शामिल हैं।

थोक महंगाई में तेज बढ़ोतरी, ईंधन और ऊर्जा की कीमतों ने बढ़ाई चिंता

मुंबई (ए.)। भारत में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित महंगाई या थोक महंगाई दर जून में सालाना आधार पर 9.87 प्रतिशत रही है, जो कि मई में 9.68 प्रतिशत थी। यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों में दी गई।

सरकारी आंकड़ों में बताया गया कि डब्ल्यूपीआई की तीन मुख्य घटक प्राथमिक वस्तुओं, ईंधन एवं ऊर्जा और विनिर्मित वस्तुओं में जून में थोक महंगाई दर क्रमशः 7 प्रतिशत, 27.41 प्रतिशत और 7.48 प्रतिशत थी, जो कि मई में क्रमशः4.99 प्रतिशत, 30.33 प्रतिशत और 7.48 प्रतिशत थी।जून में थोक महंगाई दर उच्च स्तर पर रहने की वजह खनिज तेज (पेट्रोलियम उत्पाद सहित), खाद्य वस्तुओं, रसायनों और रासायनिक उत्पादों और बेसिक मेटल की मैन्युफैक्चरिंग की लागत बढ़ना था।सरकार आंकड़ों के मुताबिक, जून में खाद्य उत्पादों में थोक महंगाई दर 6.14 प्रतिशत रही है, जो कि मई में 4.49 प्रतिशत थी। कुल डब्ल्यूपीआई में खाद्य वस्तुओं की हिस्सेदारी 24.99 प्रतिशत है।

इससे पहले, सरकार की ओर से खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी किए थे, जिसमें खुदरा महंगाई दर जून में सालाना आधार पर बढ़कर 4.38 प्रतिशत (अनंतिम) हो गई है, जो कि मई में 3.93 प्रतिशत (अंतिम) थी।मंत्रालय द्वारा जारी डेटा के मुताबिक, जून में ग्रामीण क्षेत्र में खुदरा महंगाई दर मई के 4.25 प्रतिशत से बढ़कर 4.74 प्रतिशत हो गई है। वहीं, शहरी क्षेत्र में जून में महंगाई दर बढ़कर 3.92 प्रतिशत हो गई है, जो कि मई में 3.53 प्रतिशत थी।

जून में खुदरा खाद्य महंगाई दर 5.32 प्रतिशत रही है। यह मई में 4.78 प्रतिशत थी।

सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, जून में सालाना आधार जिन पांच चीजों में सबसे अधिक महंगाई दर रही है। उनमें चांदी की ज्वेलरी (133.21 प्रतिशत), अदरक (50.41 प्रतिशत), सोना/हीरे/प्लेटिनम ज्वेलरी (36.82 प्रतिशत), टमाटर (31.92 प्रतिशत) और किशमिश और मुनक्का (20.52 प्रतिशत) शामिल हैं।

भारत-यूके एफटीए से ब्रिटिश सामान होंगे सस्ते, भारतीय निर्यात को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली(ए.)।। भारत-यूके व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) बुधवार से प्रभावी हो जाएगा। इससे एक तरफ देश के घरेलू निर्यात को बढ़ावा मिलेगा, दूसरी तरफ भारतीय सामानों को यूके का बाजार मिलेगा।

इस समझौते के तहत, स्कॉच व्हिस्की, जिन, चॉकलेट, बिस्कुट और कॉस्मेटिक्स जैसे कई ब्रिटिश उत्पादों पर टैरिफ 15 जुलाई से कम होने लगेंगे। हालांकि, कुछ चीजों पर ड्यूटी में कटौती आने वाले सालों में धीरे-धीरे लागू की जाएगी।

वहीं, भारतीय निर्यातकों को लगभग 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर जीरो-ड्यूटी एक्सेस मिलेगा, जिसमें यूके को होने वाले देश के निर्यात की लगभग पूरी वैल्यू शामिल है।

टेक्सटाइल, लेदर, फुटवियर, समुद्री उत्पाद, रत्न और आभूषण, खेल का सामान और खिलौने जैसे ज्यादा लेबर वाले सेक्टर को इससे सबसे अधिक फायदा होने की उम्मीद है।इसी तरह, इंजीनियरिंग का सामान, ऑटो पार्ट्स और ऑर्गेनिक केमिकल को भी बेहतर मार्केट एक्सेस से फायदा होगा।ये नियम सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेस एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) ने जारी किए थे। इनमें यह तय करने का तरीका बताया गया है कि क्या सामान समझौते के तहत खास टैरिफ सुविधा के लिए योग्य है या नहीं, और साथ ही निर्यातकों और आयातकों के लिए जरूरी नियमों की जानकारी भी दी गई है।हाल ही में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि सीईटीए से दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और इनोवेशन में सहयोग बढ़ेगा और साथ ही व्यापार और पेशेवरों के लिए नए मौके बनेंगे। उन्होंने भारतीय कंपनियों से कहा कि वे यूके की कंपनियों के साथ अपने संबंध मजबूत करें और इस समझौते को लगातार बिजनेस ग्रोथ में बदलें।

इथेनॉल ब्लेंडिंग की वैश्विक दौड़, भारत ही नहीं कई देश बढ़ा रहे ई20 और ई100 का इस्तेमाल

नई दिल्ली(ए.)।। पिछले कुछ समय से देश में पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण (ई20 यानी 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण) को लेकर काफी चर्चा हो रही है। देश भर में लोगों ने इसे लेकर सवाल उठाए हैं और सरकार के इस फैसले का विरोध किए हैं। लेकिन वैश्विक तस्वीर कुछ और ही कहानी बयां करती है। दरअसल, भारत इस दिशा में अकेला नहीं है। दुनिया के कई बड़े और विकसित देश पहले से ही पेट्रोल में एथेनॉल ब्लेंडिंग को अपनाकर स्वच्छ ईंधन, ऊर्जा सुरक्षा और आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इतना ही नहीं, कुछ देश तो ई30, ई85 और यहां तक कि ई100 जैसे उच्च स्तर के एथेनॉल मिश्रण पर भी काम कर रहे हैं। ऐसे में भारत का ई20 अभियान वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन का ही एक हिस्सा माना जा रहा है।'ग्लोबल बायोएथेनॉल ब्लेंडिंग पॉलिसीज मैप' ग्राफिक्स में दर्शाए गए विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, दुनिया भर में पेट्रोल पर निर्भरता कम करने, कार्बन उत्सर्जन घटाने और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बायोएथेनॉल ब्लेंडिंग को तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कई देशों ने अपने यहां एथेनॉल मिश्रण के लिए अलग-अलग लक्ष्य तय किए हैं, जबकि कुछ देश आने वाले वर्षों में ब्लेंडिंग प्रतिशत को और बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं। यह वैश्विक रुझान बताता है कि स्वच्छ ईंधन की दिशा में दुनिया तेजी से आगे बढ़ रही है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत फिलहाल ई20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण) तक पहुंच चुका है और 2030 तक ई30 लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे स्पष्ट होता है कि भारत स्वच्छ ईंधन अपनाने वाले प्रमुख देशों में शामिल हो चुका है और आने वाले वर्षों में एथेनॉल आधारित ईंधन के उपयोग को और बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है।बायोएथेनॉल ब्लेंडिंग के मामले में ब्राजील सबसे अग्रणी देशों में दिखाई देता है। ग्राफिक्स के अनुसार, वहां ई30 के साथ-साथ ई100 (100 प्रतिशत एथेनॉल) का भी उपयोग किया जाता है। इसके अलावा पैराग्वे भी ई30 नीति अपना चुका है, जबकि बोलीविया ने ई25 का लक्ष्य तय किया है।संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) में ई10 और ई15 का उपयोग किया जा रहा है। वहीं यूरोपीय संघ के 19 सदस्य देशों में ई10 उपलब्ध है। ब्रिटेन ने ई10 लागू किया है, जबकि फिनलैंड ने 2027 तक ई22.5 का लक्ष्य निर्धारित किया है। यह दिखाता है कि यूरोपीय देश भी पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण को लगातार बढ़ा रहे हैं।कनाडा में अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग स्तर की ब्लेंडिंग नीति लागू है। संघीय स्तर पर ई5 लागू है, जबकि ओंटेरियो ई11, क्यूबेक ई12, ब्रिटिश कोलंबिया ई5, अल्बर्टा ई5, सस्केचेवान ई7.5 और मैनिटोबा ई10 का उपयोग कर रहे हैं।लैटिन अमेरिका में भी कई देशों ने एथेनॉल मिश्रण को अपनाया है। अर्जेंटीना ई12, उरुग्वे ई10, कोलंबिया ई10, इक्वाडोर ई10 (इकोपैस गैसोलीन) और पेरू ई7.8 पर काम कर रहे हैं। कोस्टा रिका और पनामा ने 2027 तक ई10 लागू करने का लक्ष्य रखा है, जबकि ग्वाटेमाला 2026 तक ई10 लागू करेगा। वहीं, एशिया में भारत के अलावा नेपाल ई10, थाईलैंड ई10 अनिवार्य और वैकल्पिक रूप से ई20 व ई85, वियतनाम ई10 आरओएन95 और ई5 आरओएन92, तथा फिलीपींस ई10 अनिवार्य और ई20 पर विचार कर रहा है।

सरकार का बड़ा फैसला, गर्ग और सीबीडीटी चेयरमैन अग्रवाल को मिला सेवा विस्तार

नई दिल्ली (ए.)।। केंद्र सरकार ने सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन सचिव सौरभ गर्ग का कार्यकाल एक साल के लिए और केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल का कार्यकाल छह महीने के लिए बढ़ा दिया है, साथ ही दो आईपीएस अधिकारियों को सीबीआई में संयुक्त निवेदश के तौर पर पदोन्नति दी है।ओडिशा कैडर के 1991 बैच के रिटायर्ड आईएएस अधिकारी गर्ग, 31 जुलाई 2027 तक कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर काम करते रहेंगे। उनका मौजूदा कार्यकाल इस महीने के आखिर में खत्म हो रहा है।कार्मिक मंत्रालय के आदेश के मुताबिक, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के प्रमुख होने के साथ-साथ गर्ग राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग के सचिव के तौर पर भी काम करते रहेंगे।कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) के फैसले को लागू करने के लिए जारी आदेश में अग्रवाल का सीडीबीटी चेयरमैन के तौर पर कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर कार्यकाल भी छह महीने बढ़ाकर इस साल 31 दिसंबर तक कर दिया गया है। वह 1988 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी हैं।सरकार ने सीबीआई के दो डीआईजी को संयुक्त निवेदश के पद पर पदोन्नति दी है। सीबीआई में अभी डीआईजी के तौर पर काम कर रहे अतुल कुमार ठाकुर, आईपीएस को सीबीआई में संयुक्त निदेशक नियुक्त किया गया है। उनका कार्यकाल 24 नवंबर, 2028 तक या अगले आदेश तक के लिए मंजूर किया गया है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

समूल सुधार की जरूरत

नीट-यूजी, जेईई, सीयूईटी आदि जैसी परीक्षाओं का मौजूदा ढांचा कोई संयोगवश सामने नहीं आया है। यह नीतिगत प्राथमिकताओं का परिणाम है। पूर्व चेतावनियों के बावजूद केंद्र ने इन्हें विभिन्न स्तरों पर लागू किया है।

पेपर लीक और परीक्षा में गड़बड़ी की अनवरत घटनाओं से भड़के युवा असंतोष के बीच शिक्षा मंत्रालय की नौ सदस्यीय कमेटी इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि कोचिंग संस्थानों का दबदबा तमाम बुराइयों का मूल कारण है। कमेटी के मुताबिक इन संस्थानों को विनियमित करने की जरूरत है, लेकिन यह सिर्फ औचक निरीक्षण या गुमराह करने वाले इश्तहारों पर रोक लगा कर नहीं किया जा सकता। इसके लिए एक राष्ट्रीय कानून बनाने और नीट-यूजी, जेईई, और सीयूईटी जैसी प्रवेश परीक्षाओं का डिजाइन बदलने की जरूरत होगी। डिजाइन ऐसा होना चाहिए, जिससे छात्रों की कोचिंग संस्थानों पर निर्भरता घटे।

जून 2025 में शिक्षा मंत्रालय ने उच्चतर शिक्षा सचिव विनीत जोशी की अध्यक्षता में ये कमेटी बनाई थी। मकसद कोचिंग संस्थानों के 'डमी स्कूल' बन जाने की समस्या से निजात और प्रवेश परीक्षाओं की स्वच्छता सुनिश्चित करने के बारे में सुझाव देना था। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक कमेटी ने अपनी ड्राफ्ट रिपोर्ट तैयार कर ली है। संभवत: दो हफ्तों में वह अंतिम रिपोर्ट सरकार को सौंप देगी। मगर ड्राफ्ट रिपोर्ट के बारे में सामने आई जानकारियों से नहीं लगता कि समिति समस्या की जड़ तक पहुंची है। नीट, जेईई, सीयूईटी जैसी परीक्षाओं का मौजूदा ढांचा कोई संयोगवश सामने नहीं आया है। यह नीतिगत प्राथमिकताओं का परिणाम है। सीयूईटी का प्रस्ताव जब आया, तो चेतावनी दी गई थी कि इससे स्कूली पढ़ाई का महत्त्व घटेगा और कोचिंग संस्थानों का धंधा बढ़ेगा।

फिर भी नरेंद्र मोदी सरकार ने कॉलेजों में दाखिले के लिए ये नया सिस्टम लागू किया। और फिर समस्या सिर्फ इलीट परीक्षाओं तक सीमित नहीं है। पिछले हफ्ते ही महाराष्ट्र में टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट का पेपर लीक हो गया। परीक्षा आयोजन में ऐसी गड़बड़ियां देश भर में और जड़ तक पहुंच चुकी हैं। उनके रहते ऊपरी परीक्षाओं को दोषमुक्त बना लिया जाएगा, यह सोच अपने-आप में समस्याग्रस्त है। अत: जोशी कमेटी की सिफारिशों से मीडिया और आम चर्चाओं को फौरी तौर पर मैनेज करने में भले कुछ कामयाबी मिल जाए, उनसे ध्वस्त होती परीक्षा व्यवस्था नहीं संभलेगी। उसके लिए जिस समग्र और समूल सुधार की जरूरत है, वह फिलहाल सरकार की सोच से बाहर है।

प्रधानमंत्री मोदी के भारत के 5 एफ विज़न को बुनता टेक्स 2026

पबित्रा मार्गेरिटा

कश्मीरी पश्मीना की नरम गर्माहट से लेकर असम के मूंगा सिल्क की शानदार चमक तक, राजस्थानी बांधनी के जीवंत ज्यामितीय पैटर्न से लेकर कांजीवरम सिल्क की सदाबहार और बेहतरीन बनावट तक, भारत की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता धागों से बुना एक जीता-जागता नक्शा है। आज, सभ्यता की यह बेमिसाल तस्वीर एक ही छत के नीचे एक साथ नज़र आ रही है। नई दिल्ली के प्रसिद्ध भारत मंडपम में 14 से 17 जुलाई तक भारत टेक्स 2026 का आयोजन, हमारे देश की खूबसूरत विविधता को एक ही मंच पर ला रहा है।

वस्त्र उद्योग सिर्फ हमारी विरासत की झलक नहीं है, यह भारत के मैक्रो-इकोनॉमिक ढांचे की एक मज़बूत नींव भी है। यह क्षेत्र लगातार विकास और समानता का एक बहुत बड़ा इंजन बना हुआ है, जो जीडीपी में 2.3 प्रतिशत, औद्योगिक उत्पादन में 13 प्रतिशत और निर्यात में 8.6 प्रतिशत का योगदान देता है। कृषि के बाद भारत में सबसे ज़्यादा रोज़गार देने वाला यह क्षेत्र 100 मिलियन से ज़्यादा लोगों की आजीविका का साधन है, जो ग्रामीण समुदायों को मज़बूत बनाता है और देश भर में लाखों महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाता है।

आर्थिक शक्ति के इस केंद्र को सही मायने में समझने के लिए भारत टेक्स का अनुभव करना बेहद ज़रूरी है। यह वैश्विक स्तर पर प्रमुख भारतीय वस्त्रों का व्यापार मेला है, जिसे पूरी दुनिया के सामने हमारे निर्माण और रचनात्मकता की क्षमता का दबदबा दिखाने के लिए तैयार किया गया है। यह एक ऐसा व्यापक बाज़ार है, जहाँ घरेलू निर्माणकर्ता, राज्यों के पवेलियन, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक और वैश्विक खरीदार एक ही छत के नीचे होते हैं। इससे बड़े पैमाने पर सोर्सिंग, कॉर्पोरेट जुड़ाव और ब्रांड को प्रदर्शित करने के अवसर भी मिलते हैं।

इस शानदार पहल के सफ़र पर नज़र डालें तो मुझे भारत टेक्स के पिछले दो आयोजनों से बेहद गर्व की अनुभूति का स्मरण होता है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत टेक्स के पिछले संस्करण के दौरान संपूर्ण वस्त्र समुदाय को संबोधित किया था, तो उन्होंने बेहद खूबसूरती से कहा था कि हमने जो बीज बोया था, वह अब तेज़ी से बरगद के पेड़ का रूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि यह भव्य आयोजन न केवल हमारी समृद्ध परंपराओं का जश्न मनाता है, बल्कि एक विकसित भारत की अपार संभावनाओं को भी उजागर करता है। पहले दो आयोजनों की ज़बरदस्त सफलता ने एक मज़बूत नींव रखी, बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को आकर्षित किया और सहयोग की दिशा में भी तेज़ी देखने को मिली। भारत टेक्स 2025 के दौरान मेरे व्यक्तिगत अनुभव ने भविष्य के लिए एक बहुत ही सकारात्मक नज़रिया हासिल किया, जहाँ मैंने सरकार से सरकार और व्यापार से सरकार के बीच गहन बातचीत को ठोस नतीजों

में बदलते देखा और इसी के चलते भारत की कार्य क्षमता में बढ़ते वैश्विक भरोसे की झलक भी दिखी। यह तीसरा आयोजन उस रफ्तार को और आगे ले जाता है और शुरुआती संभावनाओं को पूरी तरह से औद्योगिक प्रभाव में बदलता है।

इस साल के कार्यक्रम का बहुत बड़ा पैमाना एक सोची-समझी औद्योगिक रणनीति को दर्शाता है। भारत मंडपम में खास प्रदर्शनी हॉलों में फैली यह प्रदर्शनी भारत की पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला को दिखाती है, जिसमें फाइबर, यार्न, फैब्रिक, कपड़े और फैशन, होम टेक्सटाइल, तकनीकी वस्त्र और सहायक उद्योग शामिल हैं। इसमें 1,600 से ज़्यादा प्रदर्शक हिस्सा ले रहे हैं, जो स्थानीय उत्पादन की ताकत को सीधे वैश्विक मंच पर पेश करेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी के क्रांतिकारी 5एफ विज़न-फार्म (खेत) से फाइबर से फैक्ट्री से फैशन से फॉरेन (विदेश) तक के सफर को दर्शाता है। पूरी मूल्य श्रृंखला को एक ही औद्योगिक श्रृंखला में जोड़कर, यह कार्यक्रम विनिर्माण के हर चरण को देश में ही संभालने की भारत की आत्मनिर्भर क्षमता को दिखाता है।

इस पहल को दुनिया भर से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। इस संस्करण में अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जापान, पुर्तगाल, स्पेन, न्यूज़ीलैंड, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका और नेपाल समेत 14 देशों के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक शामिल हैं, साथ ही, संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ का भी मज़बूत संस्थागत प्रतिनिधित्व है। कई देशों के मंत्री-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल और बड़े व्यापारिक प्रतिनिधि दीर्घकालीन साझेदारी की संभावना तलाशने के लिए इसमें हिस्सा ले रहे हैं। उम्मीद है कि चार दिनों में 110 से ज़्यादा पंजीकृत देशों से 7,000 से ज़्यादा खरीददार और 1.3 लाख व्यापारिक आगंतुक आएंगे, जो वहां दिखाए जा रहे 20,000 से ज़्यादा वस्त्र उत्पादों को देखेंगे। इस व्यावसायिक गतिविधि में 3,500 से ज़्यादा खास तौर पर आयोजित बिज़नेस टू बिज़नेस बैठकें होंगी। इसके अलावा, राज्य निवेशक संपर्क सत्र भी होंगे, जो अलग-अलग भारतीय राज्यों को अपने खास औद्योगिक ढ़ांचे को पेश करने का मंच प्रदान करेंगे।

उद्योगों को आगे बढ़ाने हेतु वास्तविक नेतृत्व के लिए ज्ञान और भविष्य की योजना के प्रति गहरी प्रतिबद्धता की ज़रूरत होती है। भारत टेक्स 2026 इस ज़िम्मेदारी को वैश्विक वस्त्र वार्ता के ज़रिए निभाता है, जिसमें पैनल चर्चा, राउंडटेबल, मास्टरक्लास, राज्य सत्र, अवॉर्ड्स पिच फेस्ट और कार्यशाला जैसे 100 से ज़्यादा खास सत्र शामिल हैं। 370 से ज़्यादा अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सीएक्सओ, पॉलिसी निर्माता और अन्वेषकों की अगुवाई में होने वाले ये खास सत्र व्यापार और निवेश को बढ़ाने, तकनीक और नवाचारों को आगे बढ़ाने और फैशन तथा क्राफ्ट को बेहतर बनाने पर फोकस करेंगे। इस कार्यक्रम में व्यापार, निवेशक, तकनीक और संस्थागत सहयोग से जुड़े कई रणनीतिक समझौतों और क्षेत्रों से जुड़ी रिपोर्ट पर हस्ताक्षर और उन्हें लॉन्च भी किया जाएगा।

इन चर्चाओं में वहनीयता और सर्कुलैरिटी जैसे अहम पहलुओं पर भी खास ध्यान दिया जाएगा। पिछले कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया था कि वैश्विक फैशन समुदाय तेज़ी से पर्यावरण के लिए फैशन के दृष्टिकोण को अपना रहा है और वहनीयता हमेशा से भारत की टेक्सटाइल विरासत का अहम हिस्सा रही है। भारत टेक्स का यह संस्करण वैश्विक पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों को एक बड़े अवसर में बदलता है और यह दिखाता है कि कैसे नवाचारों की मदद से हमारी पारंपरिक तकनीकें और बेहतर हुई हैं और इस दौरान ये भी ख्याल रखा गया है कि इस प्रक्रिया में संसाधनों का ज़्यादा से ज़्यादा इस्तेमाल हो सके और बर्बादी कम हो, जिससे हमारे बुनकरों और कारीगरों को सीधा फायदा हो। हमारे वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह जी के नेतृत्व में, मंत्रालय ने ज़मीनी स्तर पर इन आधुनिकीकरण और वहनीय वृद्धि की पहलों को तेज़ी से आगे बढ़ाया है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि हमारी पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला को मज़बूत आधुनिक तकनीक, बड़े पैमाने पर लागू होने वाले नीतिगत फ्रेमवर्क और मज़बूत मार्केट लिंकेज का सहारा मिले।

आज भारत टेक्स में लगातार बढ़ता पैमाना और आत्मविश्वास जो दिख रहा है, वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक से लगातार किए जा रहे नीतिगत सुधारों का नतीजा है। पिछले 12 सालों में, मोदी सरकार ने बड़े बदलाव लाने वाले कदमों के ज़रिए वस्त्र मूल्य श्रृंखलाओं की हर कड़ी को मज़बूत किया है। वस्त्रों के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना ने 31,687 करोड़ से ज़्यादा के निवेश का वादा हासिल किया है। इससे मैन-मेड फाइबर वाले कपड़ों, फैब्रिक और टेक्निकल टेक्सटाइल के बड़े पैमाने पर निर्माण को बढ़ावा मिला है और साथ ही बड़े पैमाने पर रोज़गार के अवसर भी पैदा हुए हैं।

90 फीसदी लोगों की समस्याओं का कोई मतलब नहीं

हरिशंकर व्यास

भारत के एक स्टैंड अप कॉमेडियन हैं वीर दास। वीर दास ने अमेरिका के जॉन एफ कैनेडी सेंटर में एक शो किया था, जिसकी थीम उन्होंने रखी थी 'आई कम फ्रॉम टू इंडियाज'। इस शो में उन्होंने भारत के विरोधाभासों के बारे में बताया था। विरोधाभास कई स्तर पर था। सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक हर तरह के विरोधाभास पर उनकी टिप्पणी थी। जैसे वीर दास ने कहा कि हिंदू दिन में देवियों की पूजा करते हैं और रात में महिलाओं के ऊपर अत्याचार होते हैं। इस तरह की अनेक बातें थीं, जिनको लेकर भारत में खूब विवाद हुआ। वीर दास के खिलाफ प्रदर्शन हुए। उनको देश विरोधी और हिंदू विरोधी बताया गया। उन पर पाबंदी लगाने की बात हुई।यह सिर्फ इसलिए हुआ क्योंकि उन्होंने दो भारत की तस्वीर दिखाई थी।सवाल है कि क्या देश के अंदर दो या कई पहचान, कई नाम नहीं हैं? भारत की विविधता की चर्चा होती है। लेकिन वह विविधता भौगोलिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, भाषायी स्तर पर है तो उसे गौरवशाली बता कर प्रस्तुत किया जाता है। लेकिन सामाजिक या आर्थिक विषमताओं की जैसे ही कोई चर्चा करता है वैसे ही वह निशाने पर आ जाता। धार्मिक मामलों में भी विरोधाभासों की बात करें तो लोगों को बुरा लग जाता है। तभी सवाल है कि कैसे असली भारत की तस्वीर सामने आएगी? दूसरे भारत की ही तस्वीरें हर जगह दिखाई जाती हैं और उसी आधार पर दावा किया जाता है कि भारत तरक्की कर रहा है और आगे बढ़ रहा है, जबकि असल में ऐसा नहीं है। मिसाल के तौर पर भारत में किसी से कहा जाएगा कि आर्थिक हालत बहुत खराब है, देश की अर्थव्यवस्था रसातल में जा रही है या आम आदमी बहुत परेशान है। तो तुरंत एक दूसरी तस्वीर पेश कर दी जाती है। यह तस्वीर दूसरे भारत की है। कहा जाता है कि अगर आर्थिक स्थिति इतनी खराब है तो लाखों की संख्या में आईफोन कैसे बिक रहे हैं? इन सवालों से लाजवाब करने की कोशिश होगी कि मॉल भरे हुए हैं, थिएटर भरे हुए हैं, महंगे फोन खरीदने के लिए लोग लाइन लगा कर खड़े हैं, महंगी गाड़ियों के लिए एडवांस बुकिंग हो रही है

डब्ल्यूएचओ-आईएआरसी ग्लोबल स्टेटस रिपोर्ट ऑन कैंसर 2026- दुनियाँ कैंसर सुनामी 2050 की चेतावनी से चिंतित ?

क्या दुनियाँ और भारत इस वैश्विक स्वास्थ्य आपदा के लिए तैयार हैं? -समग्र व्यापक विश्लेषण

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएच ओ) और उसकी विशेषीकृत संस्था इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी) द्वारा 8 जुलाई 2026 को जारी ग्लोबल स्टेटस रिपोर्ट ऑन कैंसर 2026 ने पूरी दुनियाँ के नीति-निर्माताओं,वैज्ञानिकों,चिकित्सकों और आम नागरिकों को गंभीर चेतावनी दी है। यह केवल एक स्वास्थ्य रिपोर्ट नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़े सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का दस्तावेज़ है। रिपोर्ट स्पष्ट संकेत देती है कि यदि वर्तमान जीवनशैली प्रदूषण,तंबाकू और शराब का बढ़ता सेवन,अस्वास्थ्यकर खानपान, शारीरिक निष्क्रियता तथा समय पर जांच और उपचार की कमी जारी रही,तो वर्ष 2050 तक दुनियाँ कैंसर की ऐसी लहर का सामना करेगी जिसे विशेषज्ञ कैंसर तसुनामी (कैंसर सुनामी) कह रहे हैं। यह सुनामी केवल अस्पतालों को नहीं,बल्कि अर्थव्यवस्था,परिवार, सामाजिक संरचना और मानव विकास को भी गहराई से प्रभावित करेगी। रिपोर्ट के अनुसार आज दुनिया में हर पाँच में से एक व्यक्ति अपने जीवनकाल में किसी न किसी प्रकार के कैंसर का सामना कर सकता है। पुरुषों में लगभग हर नौ में से एक तथा महिलाओं में लगभग हर बारह में से एक व्यक्ति की कैंसर से मृत्यु होने काजोखिम है।यदि वर्तमान प्रवृत्ति जारी रही तो वर्ष 2050 तक दुनियाँ में नए कैंसर मामलों की संख्या लगभग 3.5 करोड़ प्रतिवर्ष तक पहुँच सकती है, जो वर्तमान स्तर की तुलना में लगभग दोगुनी होगी।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यदि रिपोर्ट की आशंका सही निकली तो इसका अर्थ है कि आने वाले वर्षों

में स्वास्थ्य प्रणालियों पर अभूतपूर्व दबाव पड़ेगा,उपचार की लागत कई गुना बढ़ेगी और लाखों परिवार आर्थिक रूप से टूट सकते हैं।रिपोर्ट यह भी बताती है कि कैंसर केवल चिकित्सा विज्ञान की चुनौती नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक असमानता का भी दर्पण है। उच्च आय वाले देशों में आधुनिक जांच, अत्याधुनिक उपचार, कैंसर स्क्रीनिंग और बीमा सुविधाओं के कारण रोगियों के बचने की संभावना अधिक हैजबकि निम्न और मध्यम आय वाले देशों में देर से पहचान, विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी, महंगी दवाएँ, रेडियोथेरेपी और कीमोथेरेपी तक सीमित पहुँच तथा आर्थिक असमानताओं के कारण मृत्यु दर कहीं अधिक है। यही कारण है कि वैज्ञानिक इसे केवल स्वास्थ्य संकट नहीं बल्कि स्वास्थ्य न्याय का भी प्रश्न मान रहे हैं।

साथियों बात अगर हम भारत के संदर्भ में रिपोर्ट की चेतावनी को समझने की करें तो यह और भी महत्वपूर्ण है। डब्ल्यूएचओ- आईएआरसी के अनुमानों के अनुसार भारत में हर 10 में से लगभग 1 व्यक्ति को 75 वर्ष की आयु से पहले कैंसर होने का जोखिम है। इसके साथ ही लगभग हर 100 में से 7 व्यक्तियों की 75 वर्ष की आयु से पहले कैंसर से मृत्यु होने की आशंका व्यक्त की गई है। यदि मौजूदा रुझान जारी रहे तो अगले 25 वर्षों में भारत में हर वर्ष सामने आने वाले कैंसर मरीजों की संख्या लगभग दोगुनी हो सकती है। यह स्थिति केवल स्वास्थ्य मंत्रालय ही नहीं बल्कि पूरे शासन तंत्र,उद्योग, शिक्षा, पर्यावरण कृषि और समाज के लिए गंभीर चेतावनी है। साथियों विशेषज्ञों का मानना है कि कैंसर के बढ़ते मामलों के पीछे कई कारण एक साथ काम कर रहे हैं। बदलती जीवनशैली, फास्ट फूड और अत्यधिक प्रोसेस्ड भोजन का बढ़ता उपयोग,मोटापा,शारीरिक गतिविधियों में कमी,धूम्रपान और तंबाकू सेवन,शराब का बढ़ताचलन वायु प्रदूषण,जल और मिट्टी में रासायनिक प्रदूषण औद्योगिक रसायनों का संपर्क, संक्रमण, मानसिक तनाव, अनियमित दिनचर्या तथा बढ़ती आयु ये सभी मिलकर कैंसर के खतरे को बढ़ा रहे हैं। साथ ही बेहतर जांच तकनीकों और अधिक स्क्रीनिंग के कारण भी अब पहले की तुलना में अधिक मामलों का पता चल रहा है।ग्लोबकान के नवीनतम अनुमानों के अनुसार भारत में स्तन कैंसर, मुख कैंसर, फेफड़ों का कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर और कोलोरेक्टल कैंसर तेजी से बढ़ रहे हैं। पुरुषों में तंबाकू से जुड़े कैंसर विशेष रूप से अधिक हैं, जबकि महिलाओं में स्तन और सर्वाइकल कैंसर सबसे बड़ी चुनौती बने हुए हैं।

मेष राशि: आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज आपको अच्छी खबर मिलने के योग हैं यह खुशी आपके संतान के करियर को लेकर हो सकती है। मन मुताबिक परिणाम मिलने से आप अपने अंदर भरपूर ऊर्जा और सुकून महसूस करेंगे साथ अपने काम मे अनुशासन और पारदर्शिता बनाए रखें।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। अगर आज के दिन धैर्य और समझदारी से कार्य करेंगे तो आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आज किसी भी प्रकार का निवेश करते समय अपने बजट का विशेष ध्यान रखें।

मिथुन राशि: आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। परिवार में मौन रहकर आज परिस्थितियों को समझने की कोशिश करें। रिश्तों में सहयोग और अपनापन बना रहेगा। लवमेट के लिए बेहतरीन समय है,रिश्ते में मजबूती आएगी।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज आप अपने परिवार वालों को किसी बड़े रेस्टोरेंट में डिनर पार्टी देंगे परिवार के साथ हंसी-खुशी भरे पल बीतेंगे। आज बिना सोचे-समझे किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। इस राशि के छात्रों को आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी।

सिंह राशि:आज का दिन आपके लिए ठीक ठाक रहने वाला है। सिंह लग्न और राशि वालों आपको व्यापार में उम्मीद से अधिक लाभ प्राप्त होगा। सामाजिक गतिविधियों में आपका योगदान आपको अपनी अलग पहचान और मान सम्मान बनाए रखने मदद करेगा। ससुराल पक्ष से आज खुशखबरी मिल सकती है। बच्चे आज आपसे मन की बात बता सकते हैं ।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आज आपकी परफारमेंस बहुत ही डायनेमिक रहेगी। आज पारिवारिक जिम्मेदारिया बढ़ने से थोड़ी थकान महसूस हो सकती है। कोई अनजाना डर जो मन में चल रहा था वो आज अपने दोस्त से शेयर करने से दूर हो सकता है। आज आपकी समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। घर और बिजनेस में उचित तालमेल बनाकर रखने से आप अपनी निजी कार्यों के लिए भी समय निकाल पाएंगे और आप शारीरिक और मानसिक रूप से ऊर्जावान महसूस करेंगे। आज किसी भी विपरीत परिस्थिति में अपने गुस्से पर नियंत्रण करके मामले को बखूबी संभाल लेंगे ।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलेपन से कुछ महत्वपूर्ण लोगों से रिश्ते मजबूत होंगे। आज जमीन जायदाद से जुड़े काम निपट जायेंगे।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते है इसके लिए आपको ज्यादा हिम्मत और धैर्य की जरूरत होगी। आज आप जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनायेंगे।

मकर राशि: आज आपका दिन खुशनुमा पलों से भरा रहेगा। घर में नए मेहमान के आने की खुशी में घर का माहौल उत्सव जैसा रहेगा। आय के स्रोतों में बढ़ोत्तरी होने से बिजनेस में बड़ा धनलाभ हो सकता है। संतान की सकारात्मक गतिविधियों पर आपको गर्व महसूस होगा। आज आपको अपने काम में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

कुम्भ राशि: आज आपके जीवन में नई संभावनाएं लेकर आएगा। आज आपकी मुलाक़ात किसी बहुत अट्रैक्टिव और कामयाब इंसान से होगी जिससे आप जीवन में कुछ बेहतर करने के लिए प्रेरित होंगे।

मीन राशि:आज आपका दिन बहुत बढ़िया रहने वाला हैं। समय का पूरा सदुपयोग करें और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूरी एनर्जी और एकाग्रता से आगे बढ़ेंगे। घर में किसी धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन हो सकता है। आज आप अपने घर को नए तरीके से सजायेंगे। इंपोर्ट-एक्सपोर्ट से जुड़े व्यवसाय में आफिशियल यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

अमेरिका-ईरान टकराव और विश्व शांति की नई चुनौती

- ललित गर्ग

अमेरिका और ईरान के बीच लंबे तनाव के बाद बड़ी कठिनाई से बना संघर्ष विराम अपनी निर्धारित अवधि पूरी करने से पहले ही टूटने की कगार पर पहुंच गया है। ईरान द्वारा अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए गए ताजा हमलों और उसके जवाब में अमेरिका की भीषण बमबारी ने एक बार फिर पूरी दुनिया को युद्ध की आशंकाओं के बीच खड़ा कर दिया है। यह केवल दो देशों के बीच का सैन्य संघर्ष नहीं है, बल्कि वैश्विक शांति, आर्थिक स्थिरता और मानवीय मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती है। जिस समय विश्व को महामारी, आर्थिक मंदी, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संकट जैसी समस्याओं से मिलकर लड़ना चाहिए, उस समय महाशक्तियों का युद्धोन्माद पूरी मानवता को पीछे धकेलने का कार्य कर रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उत्पन्न विवाद ने इस संघर्ष को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। विश्व के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल की आपूर्ति इसी समुद्री मार्ग से होती है। यदि यह मार्ग बाधित होता है तो केवल तेल की कीमतें ही नहीं बढ़ेंगी, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका व्यापक दुष्प्रभाव पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, उत्पादन लागत में वृद्धि होगी, आपूर्ति श्रृंखलाएं टूटेंगी और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था सबसे अधिक प्रभावित होगी। युद्ध की आग कभी सीमाओं में नहीं रहती, उसकी तपिश अंतत: पूरी दुनिया को झुलसाती है।

इस संघर्ष का सबसे दुखद पक्ष यह है कि इसमें निर्दोष नागरिकों, नाविकों और आम जनजीवन को सबसे अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। हाल के घटनाक्रम में भारतीय नाविकों के प्रभावित होने और भारत के सहयोग से विकसित रणनीतिक महत्व वाले चाबहार बंदरगाह परियोजना को नुकसान पहुंचने से यह स्पष्ट हो गया है कि युद्ध किसी एक देश तक सीमित नहीं रहता। अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक विश्वास-तीनों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अमेरिका स्वयं को लोकतंत्र और विश्व व्यवस्था का संरक्षक बताता है, लेकिन उसकी विदेश नीति लंबे समय से प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और शक्ति प्रदर्शन पर आधारित रही है। किसी भी राष्ट्र को झुकाने के लिए आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य हमले और राजनीतिक दबाव स्थायी समाधान नहीं हो सकते। महाशक्ति होने का अर्थ केवल सैन्य सामर्थ्य नहीं, बल्कि संयम, दूरदृष्टि और विश्व समुदाय के प्रति नैतिक उत्तरदायित्व भी है। यदि शक्ति विवेक से संचालित न हो तो वही शक्ति विनाश का कारण बन जाती है।

दूसरी ओर ईरान को भी यह समझना होगा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों को अपने रणनीतिक हितों के लिए बंधक बनाना न तो अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है और न ही वैश्विक विश्वास के अनुकूल। किसी भी देश की सुरक्षा तब तक स्थायी नहीं हो सकती जब तक वह पड़ोसी देशों और विश्व समुदाय के साथ सहयोग, विश्वास और पारदर्शिता का वातावरण निर्मित न करे। भय और प्रतिशोध पर आधारित सुरक्षा व्यवस्था अंतत: स्वयं को ही असुरक्षित बना देती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली ने इस पूरे संकट को और अधिक अनिश्चित बनाया है। एक ओर वे कठोर सैन्य कार्रवाई करते हैं, दूसरी ओर वार्ता और समझौते की बातें करते हैं। इस प्रकार के विरोधाभासी संदेश न केवल कूटनीतिक विश्वास को कमजोर करते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अस्थिरता पैदा करते हैं। महाशक्तियों के नेताओं के प्रत्येक वक्तव्य का प्रभाव केवल उनके देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था, निवेश, ऊर्जा बाजार और करोड़ों लोगों के जीवन पर पड़ता है। इसलिए नेतृत्व में धैर्य, स्थिरता और विश्वसनीयता अत्यंत आवश्यक है।

इतिहास गवाह है कि युद्धों ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध से लेकर इराक, अफगानिस्तान, लीबिया और सीरिया तक, हर युद्ध ने नई समस्याएं ही पैदा की हैं। लाखों लोगों की जान गई, करोड़ों लोग विस्थापित हुए, लेकिन अंतत: समाधान फिर बातचीत की मेज पर ही खोजे गए। यदि अंत में संवाद ही करना है, तो शुरुआत भी संवाद से ही क्यों नहीं हो सकती? यही प्रश्न आज पूरी मानवता के सामने खड़ा है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, सह-अस्तित्व और अहिंसा का मार्ग दिखाया है। गौतम बुद्ध, भगवान महावीर और महात्मा गांधी की भूमि ने यह सिखाया कि वास्तविक विजय शत्रु को पराजित करने में नहीं, बल्कि शत्रुता को समाप्त करने में है। भारत की विदेश नीति भी 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'विश्वबंधुत्व' के आदर्शों पर आधारित रही है। भारत ने हमेशा संवाद, कूटनीति और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। यही कारण है कि भारत आज विश्वसनीय मध्यस्थ, संतुलित शक्ति और जिम्मेदार वैश्विक भागीदार के रूप में सम्मान प्राप्त कर रहा है।

वर्तमान संकट में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। भारत के अमेरिका, ईरान और खाड़ी देशों के साथ संतुलित संबंध हैं। भारत यदि संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से सक्रिय शांति पहल करे, तो तनाव कम करने में उसकी भूमिका प्रभावी सिद्ध हो सकती है। साथ ही भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार और विदेशों में कार्यरत भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी दूरदर्शी रणनीति अपनानी होगी।

K V K

राष्ट्रीय समाचार

बुधवार 15 जुलाई 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

नासिक में महिला से छेड़छाड़ का विरोध पड़ा भारी, 15 किमी तक परिवार की कार का पीछा कर डंडों-लोहे की रॉड से हमला

नासिक ,(आरएनएस)। महाराष्ट्र के नासिक जिले से एक बेहद सनसनीखेज घटना सामने आई है। इगतपुरी स्थित भावली डैम और झरने के पास घूमने गए एक परिवार पर महिला से कथित छेड़छाड़ का विरोध करने के बाद कुछ युवकों ने हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने परिवार की कार का करीब 15 किलोमीटर तक पीछा किया और डंडों व लोहे की रॉड से कार पर हमला कर उसे बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया।

जानकारी के अनुसार, रविवार को भगवत परिवार भावली डैम और झरने के पास घूमने गया था। इसी दौरान वहां मौजूद कुछ युवकों ने परिवार की एक महिला सदस्य के साथ कथित तौर पर अश्लील इशारे किए, सीटी बजाई और छेड़छाड़ की। जब परिवार ने इसका विरोध किया तो आरोपी भड़क गए और उन्हें धमकाने लगे।

स्थिति बिगड़ती देख परिवार कार में बैठकर वहां से निकल गया, लेकिन आरोपियों ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि हमलावर करीब 10 से 15 किलोमीटर तक कार के पीछे लगे रहे और कई जगह उन्हें रोकने की कोशिश की। इस दौरान उन्होंने लकड़ी के डंडों और लोहे की रॉड से कार पर हमला किया, जिससे कार के शीशे टूट गए और वाहन को भारी नुकसान पहुंचा। पीड़ित परिवार ने बताया कि उन्होंने किसी तरह जान बचाते हुए वहां से निकलने की कोशिश की, लेकिन लगातार पीछा किए जाने और हमले के कारण पूरा परिवार दहशत में आ गया। घटना के बाद पीड़ित परिवार की शिकायत के आधार पर नासिक में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि नासिक शहर और ग्रामीण पुलिस की संयुक्त टीमें फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हैं। मामले की जांच जारी है।

20 साल का वनवास खत्म, सत्ता बदलते ही कोलकाता लौट रहीं बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन

कोलकाता,(आरएनएस)। लंबे समय से अपने बेबाक विचारों के लिए पहचानी जाने वाली और बांग्लादेश से निर्वासित मशहूर लेखिका तसलीमा नसरीन लगभग 20 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर कोलकाता लौट रही हैं। वह आगामी 1 अगस्त को प्रतिष्ठित रवींद्र सदन में आयोजित होने वाले एक कट्टरपंथ-विरोधी कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिरकत करेंगी। इस कार्यक्रम में कई नामी कवि और लेखक भी भाग ले रहे हैं। खुद तसलीमा नसरीन ने सोशल मीडिया के जरिए अपने प्रशंसकों को यह खुशखबरी दी है। उनकी इस बहुप्रतीक्षित वापसी की घोषणा के बाद से ही साहित्यिक और सांस्कृतिक जगत में चर्चाओं और बहसों का एक नया दौर शुरू हो गया है।तसलीमा नसरीन का कोलकाता से गहरा नाता रहा है, लेकिन अतीत में उन्हें यहां भारी विरोध का सामना भी करना पड़ा था। गौरतलब है कि तत्कालीन वामपंथी (लेफ्ट) सरकार के कार्यकाल के दौरान तसलीमा नसरीन के खिलाफ शहर में तीव्र और हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए थे, जिसके चलते कानून-व्यवस्था की गंभीर स्थिति पैदा हो गई थी।

नीट में 5 बार असफल होने के बाद भी नहीं मानी हार, बिहार के प्रणव ने छठे प्रयास में हासिल की सरकारी मेडिकल कॉलेज की सीट

नई दिल्ली, (आरएनएस)। किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में लगातार असफलता अक्सर छात्रों का आत्मविश्वास तोड़ देती है। कई अभ्यर्थी अपना सपना अधूरा छोड़ देते हैं, लेकिन बिहार के पूर्णिया निवासी प्रणव ने साबित कर दिया कि दृढ़ संकल्प और लगातार प्रयास से असंभव दिखने वाला लक्ष्य भी हासिल किया जा सकता है। नीट (NEET) परीक्षा में लगातार पांच बार असफल रहने के बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी और छठे प्रयास में सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश हासिल कर लिया। प्रणव एक साधारण परिवार से आते हैं। उनके पिता कूरियर बॉय के रूप में काम करते थे, जबकि उनकी मां स्कूल शिक्षिका हैं। आर्थिक चुनौतियों के बावजूद माता-पिता ने बेटे की पढ़ाई में कभी कोई कमी नहीं आने दी। प्रणव के अनुसार, डॉक्टर बनने का सपना उनकी मां का अधूरा सपना था, जिसे पूरा करने की प्रेरणा उन्हें लगातार मिलती रही। प्रणव ने पहली बार वर्ष 2018 में नीट परीक्षा दी, लेकिन अपेक्षित सफलता नहीं मिली। इसके बाद 2019 में 466 और 2020 में 530 अंक प्राप्त हुए, फिर भी सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश नहीं मिल सका। वर्ष 2021 में परीक्षा के दौरान घबराहट ने उनके प्रदर्शन को प्रभावित किया। वहीं, 2022 में कोविड-19 के दौरान पढ़ाई प्रभावित होने और ऑनलाइन गेमिंग की लत के कारण उनका स्कोर 557 तक ही पहुंच पाया, जो सरकारी सीट के लिए पर्याप्त नहीं था।

पाकिस्तान से लौट रहे अफगान नागरिकों की मदद को आगे आया भारत, पुनर्वास के लिए सौंपे फैमिली टेंट

काबुल/नई दिल्ली,(आरएनएस)। पाकिस्तान से बड़ी संख्या में लौट रहे अफगान नागरिकों के पुनर्वास में भारत ने मानवीय सहायता का हाथ बढ़ाया है। भारत सरकार ने अफगानिस्तान के शरणार्थी एवं पुनर्वास मंत्रालय (MoRR) को परिवारों के रहने के लिए फैमिली टेंट उपलब्ध कराए हैं। इन टेंटों का उपयोग पाकिस्तान से वापस लौट रहे नागरिकों के अस्थायी पुनर्वास और राहत कार्यों में किया जाएगा।विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए कहा कि भारत हमेशा अफगानिस्तान के लोगों के साथ खड़ा रहा है। इसी मानवीय सहयोग के तहत अफगानिस्तान के शरणार्थी एवं पुनर्वास मंत्रालय को फैमिली टेंट सौंपे गए हैं, ताकि अपने देश लौट रहे लोगों को आवश्यक राहत और पुनर्वास सहायता मिल सके।

दरअसल, पाकिस्तान सरकार ने बिना वैध दस्तावेज या वीजा के रह रहे अफगान नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। सरकार ने ऐसे लोगों को निर्धारित समय सीमा के भीतर देश छोड़ने का निर्देश दिया था। समय सीमा समाप्त होने के बाद अफगान नागरिकों की वापसी की प्रक्रिया और तेज हो गई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, तालिबान के 'हाई कमीशन फॉर एड्रेसिंग रिटर्नीज इश्यूज' ने बताया कि पिछले सप्ताहांत केवल 24 घंटे के

भीतर 4,000 से अधिक अफगान नागरिक पाकिस्तान से वापस अपने देश लौटे। वहीं, पाकिस्तान के अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, लांडी कोटल स्थित हमजा बाबा ट्रांजिट प्वाइंट पर लौटने वाले अफगानों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अधिकारियों के अनुसार, सरकारी कार्रवाई के बाद प्रतिदिन 10,000 से अधिक अफगान नागरिक पाकिस्तान छोड़कर अफगानिस्तान लौट रहे हैं।

इस बीच संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) ने इस स्थिति पर चिंता व्यक्त की है। यूएनएचसीआर के प्रवक्ता कैसर खान अफरीदी ने कहा कि संगठन विशेष रूप से महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित है, जिन्हें ऐसे देश लौटना पड़ रहा है जहां उनके अधिकारों पर गंभीर खतरे हो सकते हैं। उन्होंने पाकिस्तान सरकार से अपील की कि अफगान शरणार्थियों की वापसी स्वैच्छिक, सुरक्षित और सम्मानजनक तरीके से सुनिश्चित की जाए।

भारत की यह सहायता ऐसे समय में आई है, जब अफगानिस्तान लौट रहे हजारों विस्थापित नागरिकों को अस्थायी आवास और बुनियादी सुविधाओं की आवश्यकता है।

राम मंदिर से 3 करोड़ के गबन की ट्रस्ट ने की पुष्टि, जानें चंपत राय के इस्तीफे पर क्या बोले कोषाध्यक्ष

नई दिल्ली ,,(आरएनएस)। अयोध्या के राम मंदिर में हुए दान चोरी विवाद में पहली बार श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट की ओर से बड़ा आधिकारिक बयान सामने आया है। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरी ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया है कि मंदिर से करीब तीन करोड़ रुपए की भारी-भरकम चोरी हुई है। अभी तक इस हेराफेरी की रकम को लेकर अलग-अलग कयास लगाए जा रहे थे, जबकि एसआईटी ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में सिर्फ 80 लाख रुपए की बरामदगी का जिक्र किया था। इसके साथ ही गोविंददेव ने 14 करोड़ रुपए के सोना, चांदी और अन्य कीमती सामान चोरी होने की सभी अफवाहों को पूरी तरह से गलत और भ्रामक करार दिया है।

इस्तीफे की अफवाहों पर भड़के गोविंददेव, कहा- 'मैं भागने वाला नहीं'

पुणे दौरे पर पहुंचे गोविंददेव गिरी ने अपने

इस्तीफे से जुड़ी तमाम अटकलों पर भी बेबाकी से जवाब दिया। उन्होंने इन खबरों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने कोई इस्तीफा नहीं दिया है और न ही उनके मन में ऐसा कोई विचार है। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि वह छत्रपति शिवाजी महाराज के सच्चे अनुयायी हैं और किसी भी हाल में मुश्किलों से घबराकर मैदान छोड़कर भागने वालों में से नहीं हैं।

चंपत राय को नहीं बनाया गया 'बलि का बकरा'

ट्रस्ट के महासचिव पद से चंपत राय के इस्तीफे को लेकर मचे बवाल पर भी गोविंददेव ने अहम खुलासा किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि चंपत राय ने अपनी स्वेच्छा से अपना पद छोड़ा है और उन्हें इस मामले में 'बलि का बकरा' कहना बिल्कुल गलत होगा। उन्होंने बताया कि चंपत राय को खुद इस बात का एहसास था कि व्यवस्था में कहीं न कहीं थोड़ी लापरवाही हुई है, जिसके चलते उन्होंने नैतिकता के आधार पर बिना किसी दबाव के अपनी मर्जी से इस्तीफा देने का फैसला किया।चल रही जांच प्रक्रिया पर पूरा भरोसा जताते हुए कोषाध्यक्ष ने कहा कि वे एसआईटी की जांच से पूरी तरह संतुष्ट हैं। किसी भी अधिकारी या जांच एजेंसी पर कोई दबाव नहीं डाला जा रहा है और न ही मामले को दबाने की कोशिश हो रही है। उन्होंने कड़े लहजे में कहा कि यह जघन्य अपराध सीधे रामलला के खिलाफ किया गया है, इसलिए जिसने भी यह पाप किया है।

पहलगाम आतंकी हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद पर शिकंजा, एनआईए की याचिका पर कोर्ट ने जारी किया गैर-जमानती वारंट

नई दिल्ली (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) को बड़ी कानूनी सफलता मिली है। जम्मू की एक अदालत ने लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद के खिलाफ गैर-जमानती वारंट (N B W) जारी किया है। यह कार्रवाई एनआईए की याचिका पर की गई, जिसमें हाफिज सईद को पहलगाम आतंकी हमले का मास्टरमाइंड बताया गया है। इस हमले में 26 नागरिकों की मौत हुई थी।

एनआईए ने 10 जुलाई को दायर अपनी पूरक (सप्लीमेंट्री) चार्जशीट में हाफिज सईद को इस मामले में आरोपी बनाया है। अदालत के वारंट जारी करने के बाद उसके खिलाफ गैरमौजूदगी में मुकदमा चलाने का रास्ता भी साफ हो गया है।

जांच एजेंसी ने अदालत को बताया है कि हाफिज सईद फिलहाल पाकिस्तान में मौजूद है और उसका भारत प्रत्यर्पण संभव नहीं है। नए आपराधिक कानूनों के तहत फरार आरोपियों के खिलाफ गैरमौजूदगी में मुकदमा चलाने का प्रावधान है।

महज 5 वर्ष की उम्र में 1455 पौधे लगाकर पेश की मिसाल, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया सम्मानित

नई दिल्ली, (आरएनएस)। वाराणसी मूल निवासी एवं वर्तमान में पंचकूला के मुख्यालय पश्चिमी कमान, भारतीय सेना में कार्यरत अपने पिता ज्ञानेंद्र उपाध्याय के साथ रहने वाले 5 वर्ष 2 माह के बाल पर्यावरण प्रेमी रुद्रांश उपाध्याय को उनके उत्कृष्ट पर्यावरणीय योगदान के लिए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा सम्मानित किया गया।

रुद्रांश उपाध्याय अपने स्वयं के पर्यावरणीय अभियान रुद्रांश ग्रीन मिशन (RGM) के माध्यम से वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण का कार्य कर रहे हैं। नई दिल्ली में आयोजित वृक्ष मित्र कार्यक्रम में उन्हें विशेष रूप से आमंत्रित किया गया, जहां उन्होंने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ पौधारोपण किया।

कार्यक्रम के दौरान रुद्रांश ने बताया कि उन्होंने अब तक 1455 पौधे लगाए हैं, जिनमें से 1427 पौधे वर्तमान में जीवित, संरक्षित एवं विकसित हो रहे हैं। उनके द्वारा लगाए गए अधिकांश पौधे पंचकूला, चंडीगढ़ एवं चंडीमंदिर कैंट की विभिन्न स्थानों पर लगाए गए हैं। रुद्रांश प्रत्येक रविवार कम से कम सात पौधे लगाने का संकल्प निभाते हैं और उनके संरक्षण एवं देखभाल पर भी विशेष ध्यान देते हैं।रुद्रांश ने अपने पौधारोपण अभियान का विस्तृत डिजिटल रिकॉर्ड भी प्रस्तुत किया, जिसमें प्रत्येक पौधे के स्थान, प्रजाति और वर्तमान स्थिति का विवरण उपलब्ध था। उनके कार्यों से प्रभावित होकर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उन्हें मंच पर आमंत्रित किया तथा सम्मानस्वरूप एक पौधा और 10,000 की प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR), भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (IARI) सहित देशभर से आए कृषि वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों एवं विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सीबीएसई का बड़ा फैसला, 10वीं में तीसरी भाषा का असेसमेंट पास करना हुआ अनिवार्य, फेल हुए तो अटक जाएगा सर्टिफिकेट

नई दिल्ली,(आरएनएस)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत नई भाषा नीति लागू करते हुए देशभर के स्कूलों के लिए विस्तृत गाइडलाइंस जारी कर दी हैं। बोर्ड ने यह पूरी तरह से स्पष्ट कर दिया है कि शैक्षणिक सत्र 2027-28 से कक्षा 10वीं में पढ़ने वाले छात्रों के लिए तीसरी भाषा (Rx) का कोई बोर्ड एग्जाम नहीं लिया जाएगा। हालांकि, विद्यार्थियों को स्कूल लेवल पर होने वाले इंटरनल असेसमेंट में हर हाल में पास होना अनिवार्य होगा। अगर कोई छात्र स्कूल के इस असेसमेंट में फेल हो जाता है, तो उसे 10वीं कक्षा का पासिंग सर्टिफिकेट जारी नहीं किया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत अब 9वीं कक्षा से ही विद्यार्थियों को तीन भाषाओं का अध्ययन करना होगा, जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं शामिल होनी चाहिए।

9वीं में फेल हुए तो 10वीं में करना होगा क्लियर

बोर्ड द्वारा 10 जुलाई को जारी किए गए एक सर्कुलर में साफ बताया गया है कि कक्षा 10 के छात्रों को स्कूल-बेस्ड Rx (तीसरी भाषा) असेसमेंट पास करना ही होगा। जो छात्र इस इंटरनल असेसमेंट में फेल हो जाएंगे, उन्हें बोर्ड के फाइनल रिजल्ट की घोषणा से पहले अपने स्कूलों में दोबारा परीक्षा देकर इसे पास करना होगा। सीबीएसई ने छात्रों को थोड़ी राहत देते हुए यह भी कहा है कि 9वीं कक्षा में तीसरी भाषा के स्कूल-बेस्ड असेसमेंट में फेल होने वाले छात्रों को उसी क्लास में रोका नहीं जाएगा। उन्हें 2027-28 के शैक्षणिक सत्र में 10वीं कक्षा में प्रमोट तो कर दिया जाएगा, लेकिन 10वीं में पढ़ाई के दौरान उन्हें 9वीं का अपना पेंडिंग ऋ असेसमेंट पास करना अनिवार्य होगा।

क्या है तीन भाषाओं का फॉर्मूला और विदेशी भाषा के नियम?

यह ताजा स्पष्टीकरण सीबीएसई के 29 जून के उस आदेश के कुछ दिनों बाद सामने आया है, जिसमें नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के तहत तीन-भाषा फॉर्मूला लागू करने की बात कही गई थी। इस बदली हुई एजुकेशन स्कीम के मुताबिक, कक्षा 6 और उससे ऊपर के छात्रों को तीन भाषाएं पढ़नी होंगी, जिनमें से दो भारत की मूल भाषाएं (स्थानीय/क्षेत्रीय) होनी चाहिए। जो छात्र अभी 7वीं, 8वीं या 9वीं कक्षा में पढ़ रहे हैं और उन्होंने पहले ही अंग्रेजी के साथ कोई विदेशी भाषा चुन ली है, वे उसे आगे भी जारी रख सकेंगे। लेकिन, उन्हें इसके साथ भारत की कोई एक मूल तीसरी भाषा भी अनिवार्य रूप से पढ़नी होगी। गौरतलब है कि अब तक की व्यवस्था में छात्र 8वीं कक्षा के बाद तीसरी भाषा छोड़ दिया करते थे।

मौजूदा 10वीं के बैच पर नहीं लागू होंगे ये नए नियम

सीबीएसई बोर्ड ने अपने सभी संबद्ध स्कूलों को इन नई गाइडलाइंस का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए हैं। 29 जून और 10 जुलाई को जारी किए गए सर्कुलर के अनुसार, यह नया और सख्त नियम 2026-27 शैक्षणिक सत्र से 9वीं कक्षा में और 2027-28 सत्र से 10वीं कक्षा में अनिवार्य रूप से लागू कर दिया जाएगा।

बिहार में जमीन रजिस्ट्री होगी पूरी तरह डिजिटल, 145 निबंधन कार्यालय चरणबद्ध तरीके से बनेंगे पेपरलेस

पटना (आरएनएस)। बिहार में जमीन और संपत्ति की रजिस्ट्री प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, तेज और सुविधाजनक बनाने के लिए राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। नई व्यवस्था के तहत राज्य के सभी 145 निबंधन कार्यालयों को चरणबद्ध तरीके से पूरी तरह डिजिटल और पेपरलेस बनाया जाएगा। इससे दस्तावेजों की तैयारी, सत्यापन और रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया ऑनलाइन होगी तथा आम लोगों को सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने से राहत मिलेगी।

हाजीपुर से हुई डिजिटल व्यवस्था की शुरुआत

बिहार सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत 11 जुलाई को हाजीपुर जिला निबंधन कार्यालय से हुई। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यहां पेपरलेस डिजिटल रजिस्ट्री प्रणाली का उद्घाटन किया। बिहार निबंधन नियमावली-2026 के तहत पहले चरण में 10 निबंधन कार्यालयों को पूरी तरह पेपरलेस बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

18 जुलाई को नौ और कार्यालय होंगे डिजिटल

पहले चरण के तहत 18 जुलाई को नौ और निबंधन कार्यालयों को इस नई डिजिटल व्यवस्था से जोड़ा जाएगा। इनमें जिला निबंधन कार्यालय जहानाबाद के अलावा पातेपुर (वैशाली), फतुहा और संपतचक (पटना), सोनपुर (सारण), डेहरी-ऑन-सोन (रोहतास), मंझौल (बेगूसराय), बाबूबरही (मधुबनी) तथा सोनवर्षा (सहरसा) के अवर निबंधन कार्यालय शामिल हैं। सरकार का लक्ष्य इसी महीने पटना और मधुबनी समेत करीब दो दर्जन कार्यालयों को भी डिजिटल प्रणाली से जोड़ने का है।

अगस्त से सभी 145 कार्यालय होंगे ऑनलाइन

मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के अनुसार, अगस्त से राज्य के सभी 145 निबंधन कार्यालयों को चरणबद्ध तरीके से डिजिटल करने की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। नई व्यवस्था में दस्तावेजों की तैयारी, जांच, सत्यापन और रजिस्ट्रेशन की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। खरीददार, विक्रेता और संबंधित अधिकारियों के डिजिटल हस्ताक्षर (ई-साइन) के माध्यम से रजिस्ट्री पूरी की जाएगी। इसके लिए डीड लेखन और सर्विस प्रोवाइडर से जुड़े नियमों में भी आवश्यक बदलाव किए जा रहे हैं तथा संबंधित कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

आधार सत्यापन और ई-साइन से बढ़ेगी सुरक्षा

नई प्रणाली में खरीददार और विक्रेता दोनों का सहमति-आधारित आधार सत्यापन किया जाएगा। ओटीपी आधारित ई-साइन के माध्यम से दस्तावेजों का प्रमाणीकरण होगा। सरकार का दावा है कि इससे दस्तावेजों की सुरक्षा बढ़ेगी और फर्जीवाड़े या जालसाजी की आशंका काफी हद तक कम होगी।

आम लोगों को मिलेंगे कई लाभ

नई डिजिटल व्यवस्था लागू होने के बाद नागरिकों को कई सुविधाएं मिलेंगी। कागजी फाइलों की आवश्यकता समाप्त होगी, रजिस्ट्री प्रक्रिया पहले से अधिक तेज और पारदर्शी बनेगी, डिजिटल सत्यापन के कारण फर्जीवाड़े पर अंकुश लगेगा तथा समय और खर्च दोनों की बचत होगी। इसके अलावा दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करने और ई-साइन की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

फिलहाल उपलब्ध है ई-निबंधन सुविधा

जिन निबंधन कार्यालयों में अभी पेपरलेस व्यवस्था लागू नहीं हुई है, वहां नागरिकों के लिए ई-निबंधन की सुविधा जारी रहेगी।

सरकार का बड़ा फैसला, गर्ग और सीबीडीटी चेयरमैन अग्रवाल को मिला सेवा विस्तार

नई दिल्ली,(आरएनएस)। केंद्र सरकार ने सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन सचिव सौरभ गर्ग का कार्यकाल एक साल के लिए और केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल का कार्यकाल छह महीने के लिए बढ़ा दिया है, साथ ही दो आईपीएस अधिकारियों को सीबीआई में संयुक्त निवेदश के तौर पर पदोन्नति दी है।

ओडिशा कैडर के 1991 बैच के रिटायर्ड आईएएस अधिकारी गर्ग, 31 जुलाई 2027 तक कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर काम करते रहेंगे। उनका मौजूदा कार्यकाल इस महीने के आखिर में खत्म हो रहा है।

कार्मिक मंत्रालय के आदेश के मुताबिक, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के प्रमुख होने के साथ-साथ गर्ग राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग के सचिव के तौर पर भी काम करते रहेंगे।

कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) के फैसले को लागू करने के लिए जारी आदेश में अग्रवाल का सीडीबीटी चेयरमैन के तौर पर कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर कार्यकाल भी छह महीने बढ़ाकर इस साल 31 दिसंबर तक कर दिया गया है। वह 1988 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी हैं।सरकार ने सीबीआई के दो डीआईजी को संयुक्त निवेदश के पद पर पदोन्नति दी है। सीबीआई में अभी डीआईजी के तौर पर काम कर रहे अतुल कुमार ठाकुर, आईपीएस को सीबीआई में संयुक्त निदेशक नियुक्त किया गया है। उनका कार्यकाल 24 नवंबर, 2028 तक या अगले आदेश तक के लिए मंजूर किया गया है। उसी बैच के आईपीएस अधिकारी पंकज कुमार सिंह, जो अभी सीबीआई में डीआईजी हैं, उन्हें भी सीबीआई में संयुक्त निदेशक नियुक्त किया गया है। उनका कार्यकाल 5 दिसंबर, 2028 तक या अगले आदेश तक के लिए मंजूर किया गया है।इसके अलावा भी सरकार ने कई नियुक्ति की हैं। इसमें आईआरएस राहुल कुमार को ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री कमलेश पासवान के लिए ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी (ओएसडी) नियुक्त किया गया है।

होर्मुज में ईरान ने 2 जहाजों पर किया हमला, एक भारतीय की मौत और 8 घायल

तेहरान/मस्कट,(ए.)। होर्मुज जलडमरूमध्य में ओमान के समुद्री क्षेत्र के पास 2 जहाजों पर ईरान ने हमला किया है। इन हमलों में चालक दल में शामिल एक भारतीय की मौत हो गई, जबकि 8 अन्य घायल हुए हैं। ये दोनों जहाज संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के थे। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि कि मोंबासा और अल बहिया नाम के 2 जहाजों पर ईरान ने हमला किया, जब वे ओमान की समुद्री सीमा के नजदीक से गुजर रहे थे।

यूएई के रक्षा मंत्रालय ने कहा, मोंबासा और अल बहिया नाम के जहाजों पर तब हमला हुआ, जब वे ओमान की समुद्री सीमा के अंदर जलडमरूमध्य के दक्षिणी शिपिंग लेन से गुजर रहे थे। मरने वाला भारतीय नागरिक मोंबासा पर तैनात था। घायल हुए 8 लोगों में से 4 को गंभीर चोटें आई हैं; घायलों में 6 भारतीय और 2 यूक्रेनी नागरिक थे। दोनों जहाजों पर लगी आग पर काबू पा लिया गया है।

यूएई ने आगे कहा कि उसके तेल जहाजों पर हुए हमले के लिए ईरान जिम्मेदार है और इन हमलों से

जहाजों पर आग लग गई और काफी नुकसान हुआ।

यूएई ने कहा, ये अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन है, जिससे क्षेत्रीय सुरक्षा को खतरा है। हमें बढ़ते तनाव का जवाब देने का पूरा अधिकार है। हमारी सेनाएं हाई अलर्ट पर हैं और देश की संप्रभुता और हितों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही हैं।

यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बताया कि ओमान के कलहत से लगभग 40 नॉटिकल मील उत्तर-पूर्व में एक जहाज पर किसी अज्ञात चीज से हमला हुआ।

जहाज के कैप्टन ने बताया कि इंजन रूम को नुकसान पहुंचा है, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ है।

हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि ये यूएई का ही जहाज है। वहीं, ईरान ने दोनों में से किसी भी घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने कहा कि इन जहाजों ने बार-बार दी गई चेतावनियों को नजरअंदाज किया, अपने नेविगेशन सिस्टम को बंद कर दिया और निर्देशों के बावजूद होर्मुज से गुजरने का प्रयास किया।

आईआरजीसी ने कहा कि समुद्री चेतावनियों का पालन न करने के बाद 2 दोषी जहाजों को सफलतापूर्वक निशाना बनाकर निष्क्रिय कर दिया गया।

आईआरजीसी ने चेतावनी दी कि आक्रामक दुश्मन के साथ सहयोग से केवल और ज्यादा नुकसान होगा।

ब्रिटेन सरकार ने आईआरजीसी समेत 2 ईरानी समूह को आतंकवादी घोषित किया, प्रतिबंध लगाया

लंदन,(ए)। ब्रिटेन की सरकार ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) समेत 2 समूह को आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया है। गृह मंत्रालय ने बताया कि वह ईरानी सेना की प्रमुख शाखा आईआरजीसी को समर्थन देने पर प्रतिबंध लगाएगा और इस्लामिक मूवमेंट ऑफ द कंपैनियंस ऑफ द राइट (आईएमसीआर) को भी प्रतिबंध करेगा। ब्रिटेन में प्रतिबंध लागू होने से इन समूहों को समर्थन देना प्रभावी रूप से गैरकानूनी माना जाएगा।रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन की सरकार ने बताया कि कई धमकियों के बाद, जिनमें ईरान इंटरनेशनल टेलीविजन के 2 पत्रकारों की हत्या की साजिश और ब्रिटिश ठिकानों पर साइबर हमले शामिल हैं, वह आईआरजीसी पर प्रतिबंध लगा रही है।वहीं, आईएमसीआर पर ब्रिटेन में यहूदी ठिकानों पर हमलों की एक श्रृंखला का आरोप लगाया गया है।सरकार रूसी सैन्य खुफिया की एक अंतरराष्ट्रीय शाखा, रूसी फेडरेशन वॉलंटियर कोर (जीआरयू) पर भी प्रतिबंध लगाने की भी तैयारी कर रही है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने एक बयान में कहा कि इन नई शक्तियों से ब्रिटेन में अपने घिनौने काम करने वाले किसी भी व्यक्ति पर मुकदमा चलाना और उसे जेल में डालना आसान हो जाएगा।इसका उद्देश्य संगठन को बढ़ावा देने वाले व्यक्तियों को बाधित करना है। कानून का उल्लंघन करने पर 14 साल तक कैद और जुर्माना हो सकता है।फैसले से ब्रिटेन-ईरान के संबंधों में खटास आएगी। तेहरान में ब्रिटिश राजदूत को निष्कासित किया जा सकता है।

अमेरिका ने ईरान पर फिर किया हमला, ट्रंप बोले- होर्मुज में जहाजों से 20 प्रतिशत शुल्क वसूलेंगे

वाशिंगटन(ए.) अमेरिका ने ईरान में करीब 5 घंटे तक लगातार बमबारी की है। इस दौरान बुशहर, चाबहार, जास्क, कोनार्क, अबू मूसा और बंदर अब्बास में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। ये लगातार तीसरा दिन है, जब अमेरिका ने ईरान पर हमला किया है।

वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर कब्जा करने के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका होर्मुज की सुरक्षा करेंगा और बदले में जहाजों से 20 प्रतिशत शुल्क वसूला जाएगा।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने बताया कि ईरान पर हमलों का ताजा दौर पूरा हो गया। करीब 5 घंटे चले अभियान में बुशहर, चाबहार, जास्क, कोनारक, अबू मूसा और बंदर अब्बास में सैन्य ठिकानों पर सटीक हमले किए गए।अमेरिका ने कहा कि इस दौरान ईरान के तटीय रक्षा तंत्र, मिसाइल, ड्रोन ठिकानों और समुद्री सैन्य क्षमताओं को निशाना बनाया गया।अमेरिका ने बंदर अब्बास स्थित पनडुब्बी और नौसैनिक मरम्मत सुविधा पर भी हमला किया। अमेरिकी हमलों के बाद ईरान ने बहरीन के अल जुफैर अड्डे पर अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया है। आईआरजीसी ने कहा कि हमलों में बेस पर स्थित ईंधन डिपो में आग लग गई और एक पैट्रियट रडार, एयर कंट्रोल रडार, एक सी-रैम अर्ली वार्निंग सिस्टम और मानवरहित सतही जहाजों के नियंत्रण एवं निगरानी केंद्र नष्ट हो गए। आईआरजीसी ने कहा कि जवाबी कार्रवाई जारी है।

पाकिस्तान में भारी बारिश के दौरान घर गिरने से नौ लोगों की मौत, 14 घायल

इस्लामाबाद (ए.)। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट जिले में भारी बारिश के दौरान एक रिहायशी मकान ढहने से नौ लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए।सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, रेस्क्यू 1122 के एक अधिकारी ने सोमवार देर रात बताया कि जिले के लाची इलाके के मालगिन में भारी बारिश के कारण एक घर ढह गया, जिससे 23 लोग मलबे के नीचे दब गए।कोहाट और पड़ोसी करक जिले की बचाव टीमों ने ऑपरेशन शुरू किया और सभी को मलबे से बाहर निकालकर पास के अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में 9 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया।अधिकारी ने बताया कि मरने वालों में छह महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं। उन्होंने आशंका जताई कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि कुछ घायलों की हालत गंभीर है।यह घर तब ढहा जब पाकिस्तान के कई हिस्सों में मानसून की बारिश जारी थी, जिससे अचानक बाढ़ आ गई, बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुँचा और रोज़मर्रा की ज़िंदगी बाधित हुई। इससे पहले सोमवार को प्रांत के प्रोविंशियल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने चेतावनी दी थी कि पानी का बहाव बढ़ने के कारण अगले दो दिनों में बांधों से और पानी छोड़ा जा सकता है।बचाव अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले 2 जुलाई को पाकिस्तान के पूर्वी शहर लाहौर में एक प्राइवेट स्कूल की इमारत का कुछ हिस्सा ढहने से एक बच्चे की मौत और 5 अन्य घायल हो गए थे। 'रेस्क्यू 1122' के प्रवक्ता ने सिन्हुआ को बताया कि यह घटना लाहौर के बागबानपुरा इलाके में हुई, जब बन रही इमारत की एक दीवार और छत का हिस्सा ढह गया। बच्चे की मौत मौके पर ही हो गई। घायलों में एक और बच्चा, दो राहगीर और इमारत की तीसरी मंजिल पर काम कर रहे दो मजदूर शामिल थे। बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और तलाशी अभियान शुरू किया, क्योंकि मलबे के नीचे और लोगों के दबे होने की आशंका थी। घायलों को पास के अस्पताल ले जाया गया, जबकि अधिकारी इमारत के ढहने के कारणों की जांच कर रहे थे।

ईरान के सुप्रीम लीडर को लेकर ट्रंप का दावा, बोले- वे 90 प्रतिशत खत्म हो चुके

वाशिंगटन, (ए.)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि मोजतबा लगभग 90 प्रतिशत खत्म हो गए हैं। ट्रंप ने ये भी कहा कि अमेरिका और इजरायल के हमलों में ईरान की सैन्य ताकत पूरी तरह खत्म हो गई है और कई बड़े कमांडर मारे गए हैं। ट्रंप ने कहा, ईरान के पास न नौसना बची है, न वायुसेना।

ट्रंप ने कहा, उनके पास अब न नौसेना है, न वायुसेना। सब कुछ खत्म हो गया है। उनकी वायु रक्षा क्षमता भी खत्म हो चुकी है। उनके सभी बड़े नेता मारे जा चुके हैं। उसके कई बड़े सैन्य कमांडर मारे गए हैं। उनके सबसे अच्छे नेता अब नहीं रहे। खामेनेई खत्म हो गए हैं। उनके बेटे की भी 90 प्रतिशत जान जा चुकी है।

28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल ने ईरान के राष्ट्रपति परिसर पर हमला किया था। इसमें तत्कालीन सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई मारे गए थे। इसी हमले में उनके बेटे मोजतबा गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें बाद में सर्वोच्च नेता चुना गया।

हालांकि, इसके बाद से वे अब तक सार्वजनिक तौर पर नजर नहीं आए हैं। दावा किया जाता है कि हमलों में उनका एक हाथ और चेहरा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है।

फीचर

क्या आपको निर्णय लेते समय महसूस होता है तनाव? इन 5 संकेतों से चलेगा पता

हम रोजमर्रा के जीवन में कई छोटे-बड़े फैसले लेते हैं, जैसे क्या पहनना है, क्या खाना है या कौन-सा शो देखना है। इन फैसलों का हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर बड़ा असर पड़ता है। अगर आपको लगता है कि आप लगातार छोटे-छोटे फैसलों में भी थकावट महसूस कर रहे हैं तो यह संकेत हो सकता है कि आपको निर्णय लेने की थकावट हो रही है। आइए इसके 5 संकेत जानते हैं।

लगातार फैसले लेने में थकान होना

अगर आप रोजाना कई छोटे-छोटे फैसलों में भी थकावट महसूस करते हैं तो यह एक जरूरी संकेत हो सकता है। उदाहरण के लिए, अगर आप रोजाना यह सोचते हैं कि आज क्या पहनना है या क्या खाना है और इससे आपको मानसिक रूप से परेशानी होती है तो यह दिखाता है कि आपको निर्णय लेने की थकावट हो रही है। ऐसी स्थिति में आपको अपनी दिनचर्या में थोड़ा बदलाव करने की जरूरत हो सकती है।

छोटी-छोटी बातों पर ज्यादा सोच-विचार करना

अगर आप छोटी-छोटी बातों पर ज्यादा सोचते रहते हैं तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपको निर्णय लेने की थकावट हो रही है। जैसे कि क्या खाना है या कौन-सा कपड़ा पहनना है, इन मामलों में ज्यादा सोचने से मानसिक ऊर्जा खत्म हो सकती है। इससे आपका मूड भी प्रभावित होता है और आप चिड़चिड़े हो सकते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि आप कुछ फैसले पहले ही तय कर लें, ताकि आपको बार-बार सोचना न पड़े।

मूड में उतार-चढ़ाव आना

अगर आपका मूड बार-बार बदलता रहता है और आप खुद को उदास या चिड़चिड़ा महसूस करते हैं तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपको निर्णय लेने की थकावट हो रही है। ऐसा अक्सर तब होता है जब हम ज्यादा सोचते हैं या छोटे-छोटे फैसलों में उलझे रहते हैं। इस स्थिति में खुद को थोड़ा समय देना जरूरी है, ताकि आप आराम कर सकें और अपनी मानसिक ऊर्जा को फिर से प्राप्त कर सकें।

ज्यादा चिंता होना

अगर आप अक्सर बहुत ज्यादा चिंता करते रहते हैं, खासकर छोटे-छोटे मामलों को लेकर तो यह एक जरूरी संकेत हो सकता है कि आपको निर्णय लेने की थकावट है। ज्यादा चिंता करने से मानसिक ऊर्जा खत्म हो सकती है और आप खुद को बहुत थका हुआ महसूस कर सकते हैं। इस स्थिति में आपको अपनी दिनचर्या में थोड़ा बदलाव करने की जरूरत हो सकती है, ताकि आप आराम कर सकें और अपनी मानसिक ऊर्जा को फिर से प्राप्त कर सकें।

खुद पर शक करना

अगर आप अक्सर अपने फैसलों पर शक करते रहते हैं और खुद को गलत ठहराते रहते हैं तो यह भी एक जरूरी संकेत हो सकता है कि आपको निर्णय लेने की थकावट हो रही है। ऐसा अक्सर तब होता है जब हम ज्यादा सोचते या छोटे-छोटे फैसलों में उलझे रहते हैं। इस स्थिति में खुद पर शक करना बंद करें और अपने फैसलों पर विश्वास रखें, ताकि आपकी मानसिक ऊर्जा फिर से प्राप्त हो सके।

पिटबुल के कॉन्सर्ट में झूमीं अनन्या पांडे, गाया रेन ओवर मी सॉन्ग

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे ने हाल ही में विंबलडन 2026 पुरुष एकल सेमीफाइनल का मुकाबला देखा। इसके बाद उन्होंने क्यूबा-अमेरिकी रैपर पिटबुल के कॉन्सर्ट का आनंद लेते हुए अपनी कुछ झलकियां भी सोशल मीडिया पर साझा की। अपनी सोशल मीडिया स्टोरी में अनन्या पांडे ने पहले विंबलडन मुकाबले की कुछ झलकियां साझा कीं। इसके बाद उन्होंने पिटबुल के कॉन्सर्ट से एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में वह अन्य प्रशंसकों के साथ वर्ष 2011 के लोकप्रिय गीत रेन ओवर मी पर झूमती और गाती नजर आईं। इस वीडियो के साथ अनन्या पांडे ने कैप्शन में लिखा, पिटबुल एट द पार्क।

रेन ओवर मी पिटबुल का लोकप्रिय गीत है, जो उनके छठे स्टूडियो एल्बम प्लैनेट पिट का हिस्सा है। इस गीत में प्यूर्टो रिको-अमेरिकी गायक मार्क एंथनी ने भी अपनी आवाज दी है। इस गीत को पिटबुल, मार्क एंथनी और उनके सहयोगी गीतकारों ने मिलकर लिखा था।

पिटबुल ने अपने संगीत करियर की शुरुआत 2000 के दशक की शुरुआत में की थी। वह रेगेटन, लैटिन हिप-हॉप और क्रंक संगीत के लिए जाने जाते हैं। उनका पहला एल्बम एम.आई.ए.एम.आई. था। इसके बाद उनके एल्बम एल मारिएल और द बोटलिफ्ट भी काफी लोकप्रिय हुए और बिलबोर्ड 200 की सूची में शामिल हुए।

पिटबुल के चौथे एल्बम पिटबुल स्टारिंग इन रेबेल्यूशन ने उन्हें मुख्यधारा में बड़ी पहचान दिलाई। इस एल्बम के आई नो यू वांट मी (कैले ओचो) और होटल रूम सर्विस जैसे गीत काफी लोकप्रिय हुए।

इससे पहले अनन्या पांडे पेरिस हॉट कूचर वीक में शामिल हुई थीं। इसके बाद वह विंबलडन में भी बेहद आकर्षक अंदाज में नजर आईं। मैच के दौरान उन्होंने चमकीले लाल रंग की पॉपलिन ड्रेस पहनी हुई थी।

अभिनय की बात करें तो अनन्या पांडे की हालिया फिल्में तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी और चांद मेरा दिल बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकीं।

चांद मेरा दिल एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है।

रेड वेलवेट गाउन में कंगना शर्मा ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

अपनी बोल्डनेस और बेहतरीन स्टाइल स्टेटमेंट के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस कंगना शर्मा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ बेहद हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें साझा की हैं, जिन्हें देखकर फैंस के दिलों की धड़कनें तेज हो गई हैं।

तस्वीरों में कंगना शर्मा चमकीले लाल रंग का एक शानदार वेलवेट गाउन पहने नजर आ रही हैं। यह एक थाई-हाई स्लिट गाउन है, जो उनके टोंड लेग्स को पूरी तरह फ्लॉन्ट कर रहा है। गाउन का डीप स्वीटहार्ट नेकलाइन डिजाइन कंगना के लुक को और भी ज्यादा बोल्ड और सिजलिंग बना रहा है। इस फुल-स्लीव्स आउटफिट के साथ उन्होंने मैचिंग रेड कलर का स्लिंग बैग कैरी किया हुआ है, जो उनके ओवरऑल अपीयरेंस को कॉम्प्लीमेंट कर रहा है।कंगना ने अपने इस लुक को पूरा करने के लिए बोल्ड रेड लिपस्टिक लगाई है, जो उनके चेहरे पर काफी निखर कर आ रही है। स्मोकी आइज और परफेक्ट ब्लश के साथ उनका फेशियल ग्लो देखते ही बनता है।

बालों की बात करें तो उन्होंने अपने वेवी हेयर्स को साइड-पार्टिंग के साथ खुला रखा है, जो उनके कंधों पर बेहद खूबसूरत लग रहे हैं। गले में पहना हुआ हैवी स्टेटमेंट सिल्वर नेकपीस उनके नेकलाइन को एक रॉयल टच दे रहा है।खुले आसमान के नीचे रात के वक्त क्लिक की गई इन तस्वीरों में कंगना का कॉन्फिडेंस साफ नजर आ रहा है। कंगना एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। रेड हील्स पहने हुए उनके ये कातिलाना पोज इंटरनेट का तापमान बढ़ाने के लिए काफी हैं।

लेस के कपड़े पहनने की शौकीन हैं? इन 5 आउटफिट को बनाएं अलमारी का हिस्सा

लेस एक ऐसा कपड़ा है, जो नाजुकता और आकर्षण का अनोखा मेल प्रस्तुत करता है। यह न केवल सुंदरता बढ़ाता है, बल्कि आराम भी देता है। आजकल लेस के कपड़े बहुत लोकप्रिय हो गए हैं, खासकर महिलाओं के बीच। इस लेख में हम आपको 5 ऐसे लेस के कपड़ों के बारे में बताएंगे, जो आपकी अलमारी में चार चांद लगा सकते हैं और आपको हर मौके पर खास महसूस करवाएंगे।

लेस की ड्रेस

लेस की ड्रेस किसी भी अवसर पर पहनने के लिए बेहतरीन विकल्प हो सकती है। चाहे वह शादी हो या कोई पार्टी, लेस की ड्रेस हमेशा आकर्षक लगती है।यह न केवल आपको सुंदर दिखाती है, बल्कि आरामदायक भी होती है। आप इसे अपने पसंदीदा जूतों और गहनों के साथ मिलाकर एक पूरा लुक बना सकती हैं।लेस की ड्रेस पहनने से आपका लुक न केवल खास लगेगा, बल्कि आप आत्मविश्वास से भरी भी महसूस करेंगी।

लेस टॉप

लेस टॉप रोजमर्रा के उपयोग के लिए बहुत अच्छे होते हैं। इन्हें जींस या स्कर्ट के साथ पहना जा सकता है, जिससे आपका लुक हमेशा नया और ताजगी भरा लगेगा। लेस टॉप न केवल स्टाइलिश होते हैं, बल्कि इन्हें पहनने से आपको पूरा दिन आराम भी महसूस होता है। इन्हें खास मौकों पर भी पहना जा सकता है।

लेस टॉप आपके कपड़े के संग्रह में एक अहम हिस्सा बन सकते हैं, जो हर मौके पर आपको खास बनाएंगे।

लेस स्कर्ट

लेस स्कर्ट किसी भी महिला की अलमारी में होना जरूरी होता है। इसे किसी भी साधारण टी-शर्ट या ब्लाउज के साथ मिलाकर पहना जा सकता है।लेस स्कर्ट पहनने से आपका लुक न केवल खास लगेगा, बल्कि आप आत्मविश्वास से भरी भी महसूस करेंगी। इसे ऊंची एड़ी के जूतों के साथ पहनने से आपका लुक और भी आकर्षक बनता है।लेस स्कर्ट आपके कपड़े के संग्रह में एक अहम हिस्सा बन सकती है, जो हर मौके पर आपको खास बनाएगा।

लेस जैकेट

लेस जैकेट ठंड के मौसम में भी फैशन का हिस्सा बन सकती हैं। इन्हें किसी साधारण कुर्ते या टी-शर्ट के ऊपर पहनें और अपना लुक पूरा करें।लेस जैकेट न केवल आपको गर्म रखेगी, बल्कि स्टाइलिश भी दिखाएगी। इसे जींस या फॉर्मल पैंट, दोनों के साथ पहना जा सकता है।लेस जैकेट आपके कपड़े के संग्रह में एक अहम हिस्सा बन सकती है, जो हर मौके पर आपको खास बनाएगा और आपको आत्मविश्वास से भरी महसूस करवाएगी।

लेस कुर्तियां

लेस कुर्तियां पारंपरिक और आधुनिकता का अनोखा मेल प्रस्तुत करती हैं। इन्हें किसी भी पारंपरिक पैंट या धोती के साथ पहना जा सकता है।लेस कुर्तियां न केवल सुंदर दिखाती हैं, बल्कि इन्हें पहनने से आपको पूरा दिन आराम भी महसूस होता है। इन 5 लेस के कपड़ों से आप अपनी अलमारी को नया रूप दे सकती हैं और हर मौके पर खास महसूस कर सकती हैं। इनमें आपको ट्रेंडी लुक मिल जाएगा।

मुख्यमंत्री ने पद्म विभूषण डॉ. तीजन बाई को विधानसभा में दी भावभीनी श्रद्धांजलि

छत्तीसगढ़ ने अपनी लोकसंस्कृति का अनमोल रत्न खो दिया, आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव रहेंगी प्रेरणा की स्त्रोत - मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के पावस सत्र के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज पद्म विभूषण से सम्मानित विश्वविख्यात पंडवानी गायिका डॉ. तीजन बाई के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

निधन उल्लेख के दौरान मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डॉ. तीजन बाई के निधन से छत्तीसगढ़ ने अपनी लोकसंस्कृति का एक अनमोल रत्न खो दिया है। उनके जाने से कला एवं सांस्कृतिक जगत को अपूरणीय क्षति हुई है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डॉ. तीजन बाई ने पंडवानी गायन की कापालिक शैली को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया और अपनी विलक्षण प्रतिभा से लोककला को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। उनकी प्रस्तुतियों में गायन और अभिनय का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता था। पात्रों का सजीव चित्रण, ओजपूर्ण वाणी और प्रभावशाली प्रस्तुति श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देती थी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि डॉ. तीजन बाई का जीवन संघर्ष, साधना और समर्पण का प्रेरक उदाहरण है। जिस दौर में महिलाओं की पंडवानी गायन में भागीदारी अत्यंत सीमित थी, उस समय उन्होंने सामाजिक रूढ़ियों को चुनौती देते हुए अपनी अलग पहचान बनाई और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनीं। उन्होंने कहा कि डॉ. तीजन बाई ने एशिया, यूरोप सहित विश्व के अनेक देशों में अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच पर स्थापित किया। उनके अद्वितीय योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री, पद्मभूषण, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार सहित अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मानों से सम्मानित किया गया। वर्ष 2019 में भारत सरकार ने उन्हें देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से अलंकृत किया। यह गौरव प्राप्त करने वाली वे छत्तीसगढ़ की एकमात्र विभूति हैं।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय मंत्रियों ने भी डॉ. तीजन बाई के कला क्षेत्र में अतुलनीय योगदान का स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि राज्योत्सव के अवसर पर रायपुर प्रवास पर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉ. तीजन बाई के परिजनों से दूरभाष पर बातचीत कर उनका कुशलक्षेम जाना था। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि अनेक विश्वविद्यालयों द्वारा डॉ. तीजन बाई को डी.लिट्. की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। भारतीय लोकसंगीत और लोकसंस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में उनका योगदान सदैव स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा। उनकी कला, साधना और समर्पण आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने और उसे आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता रहेगा।

बालको रिंग रोड पर भीषण सड़क हादसा: ट्रेलर की चपेट में आने से दो युवतियों की मौत, युवक गंभीर

कोरबा (आरएनएस)। जिले के बालको थाना क्षेत्र अंतर्गत रिंग रोड स्थित डेंगूनाला पुल के पास मंगलवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। कोयले से लदे ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवतियों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार ट्रेलर क्रमांक सीजी 12 बीजी 2932 और मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 10 सीबी 2635 के बीच जोरदार टक्कर हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पर सवार दोनों युवतियों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, बाइक चला रहा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है।

कलेक्टर ने किया पटवारी को निलंबित, सोशल मीडिया में वायरल हुआ था वीडियो

राजनांदगांव,(आरएनएस)। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने सोशल मीडिया पर एक व्यक्ति से नगद राशि लेते हुए वीडियो वायरल होने के मामले में डोंगरगढ़ तहसील के पटवारी रामकुमार जांगड़े को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही उनके विरूद्ध विभागीय जांच संस्थित करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), डोंगरगढ़ ने अपने प्रतिवेदन में उल्लेख किया है कि पटवारी हल्का क्रमांक 29 गाजमर्रा एवं अतिरिक्त प्रभार पटवारी हल्का क्रमांक 28 अण्डी के पटवारी रामकुमार जांगड़े का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें वे एक व्यक्ति से नगद राशि लेते हुए दिखाई दे रहे हैं। प्रतिवेदन के अनुसार प्रथम दृष्टया यह कृत्य पदीय कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही, अकर्मण्यता, स्वेच्छाचारिता एवं गंभीर कदाचार की श्रेणी में आता है। साथ ही यह आचरण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 का स्पष्ट उल्लंघन माना गया है। कलेक्टर ने मामले की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए तथा निष्पक्ष विभागीय जांच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1966 के नियम 9(1)(क) के अंतर्गत रामकुमार जांगड़े को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय तहसील कार्यालय लालबहादुर नगर निर्धारित किया गया है।

सांसद भोजराज नाग ने किया ग्राम गुजरा में किसान कुटीर का लोकार्पण

बालोद,(आरएनएस)। कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद भोजराज नाग ने आज जिले के डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम गुजरा में नवनिर्मित किसान कुटीर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती तारणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक दुर्ग के अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष तोमन साहू, कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, जनपद अध्यक्ष मुकेश कौड़ो, जनपद उपाध्यक्ष भोलाराम नेताम सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के अलावा एसडीएम सुरेश साहू एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। इस मौके पर सांसद श्री नाग एवं अतिथियों ने नवनिर्मित किसान कुटीर का अवलोकन कर ग्राम गुजरा सहित अंचल के ग्रामीणों को इस नवनिर्मित किसान कुटीर के लोकार्पण के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

बडमार जंगल में जुआ फड़ पर पुलिस की रेड, 6 जुआरी गिरफ्तार

कोरबा (आरएनएस)। जिले में चलाए जा रहे सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान के तहत करतला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम बडमार के जंगल में संचालित जुआ फड़ पर छापा मारकर छह जुआरियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई में मौके से 5,350 रुपये नकद, 52 पत्ती ताश, एक तिरपाल, 6 मोबाइल फोन और 10 मोटरसाइकिल जब्त की गईं। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि जिले में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान के तहत लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

रायपुर में 24 घंटे में 17 एफआईआर दर्ज

दो नाबालिग लड़कियों के अपहरण से लेकर मारपीट और अवैध हथियार तक के मामले

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी रायपुर में बीते 24 घंटे के दौरान कानून-व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मामलों में पुलिस ने 17 अलग-अलग एफ्आईआर दर्ज की हैं। इनमें दो नाबालिग लड़कियों के कथित अपहरण, मारपीट, सड़क दुर्घटना, अवैध हथियार रखने और घर में घुसकर हमला करने जैसी घटनाएं शामिल हैं।

दो नाबालिग लड़कियों के अपहरण के मामले दर्ज

खमतराई और टिकरापारा थाना क्षेत्र में दो किशोरियों के लापता होने के बाद जांच के दौरान भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत अपहरण के मामले दर्ज किए गए हैं। खमतराई में 15 वर्षीय और टिकरापारा में 17 वर्षीय किशोरी को अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने की शिकायत पर पुलिस जांच कर रही है।पुरानी बस्ती, गुढ़ियारी, राजेंद्र नगर, कोतवाली, टिकरापारा, तेलीबांधा और देवेंद्र नगर थाना क्षेत्रों में पुरानी रंजिश, विवाद और गाली-गलौज के बाद मारपीट की कई घटनाएं सामने आईं। इन मामलों में आरोपियों के खिलाफ जान से मारने की धमकी, मारपीट और अन्य धाराओं में अपराध दर्ज किए गए हैं। टिकरापारा थाना क्षेत्र के काली नगर लालपुर में आरोपियों पर घर में घुसकर मारपीट करने और ओप्पो कंपनी का मोबाइल अपने कब्जे में लेने का मामला दर्ज किया गया है। सरस्वती नगर, तेलीबांधा और टिकरापारा थाना क्षेत्रों में तेज एवं लापरवाही से वाहन चलाने के तीन मामले दर्ज किए गए हैं।

पंप हाउस मारपीट मामले में हत्या के प्रयास की धारा जोड़ी गई, दोनों पक्षों पर केस दर्ज

कोरबा (आरएनएस)। सीएसईबी चौकी क्षेत्र के पंप हाउस कॉलोनी में हुई मारपीट और गुंडागर्दी के मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। मामले में दोनों पक्षों की एफ आईआर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109 (हत्या का प्रयास) और धारा 191(3) (बलवा) जोड़ते हुए वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में चलाए जा रहे सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान के तहत शनिवार देर रात अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले और नगर पुलिस अधीक्षक प्रतीक चतुर्वेदी के नेतृत्व में पंप हाउस कॉलोनी, 15 ब्लॉक, तुलसी नगर और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में बाइक पेट्रोलिंग, फ्लैग मार्च और सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। कोरबा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अड्डेबाजी, गुंडागर्दी और कानून व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

राम मंदिर चढ़ावा मामले पर कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, न्यायिक जांच की मांग

धमतरी,(आरएनएस)। अयोध्या स्थित श्री राम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे में चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के विरोध में ब्लाक कांग्रेस कमेटी धमतरी शहर मंगलवार को सड़क पर उतरी। घड़ी चौक में प्रदर्शन और पदयात्रा के दौरान कांग्रेस नेताओं ने मामले की निष्पक्ष न्यायिक जांच कराने एवं दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर ब्लाक कांग्रेस कमेटी धमतरी शहर ने मंगलवार को अयोध्या के श्री राम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे को लेकर सामने आए कथित वित्तीय अनियमितताओं के विरोध में घड़ी चौक पर प्रदर्शन किया। ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष योगेश शर्मा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता तख्तियां लेकर मुख्य मार्ग पर उतरे और केंद्र एवं उत्तरप्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मामले की पारदर्शी जांच की मांग की। कांग्रेस जिलाध्यक्ष तारिणी चंद्राकर ने कहा कि श्रीराम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का सबसे बड़ा केंद्र है। चढ़ावे में वित्तीय अनियमितताओं के आरोप बेहद गंभीर हैं। करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े इस मामले में किसी भी तरह की लीपापोती स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में केवल निचले स्तर के कर्मचारियों पर कार्रवाई कर वास्तविक जिम्मेदार लोगों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि पूरे मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में न्यायिक जांच या किसी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए।

खेल समाचार

हार के बाद भी हीरो बनी नॉर्वे की टीम, ओस्लो में हुआ शानदार स्वागत

ओस्लो (आरएनएस)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर-फाइनल तक के ऐतिहासिक सफर के बाद नॉर्वे के नेशनल टीम के खिलाड़ियों का स्वागत रॉयल पैलेस के बाहर स्वागत किया गया। इस दौरान हजारों प्रशंसकों ने टीम के खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

अनुमान के मुताबिक, 90 हजार समर्थकों ने पैलेस स्क्वायर में टीम का जोरदार स्वागत किया। शनिवार को नॉर्वे को मियामी में इंग्लैंड के खिलाफ उन्हें एक्स्ट्रा टाइम में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था। यह नतीजा नॉर्वे का फीफा वर्ल्ड कप में अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन था।

मार्टिन ओडेगार्ड ने कहा, मुझे नहीं लगता कि किसी ने भी ऐसी कल्पना की होगी। हमें जो समर्थन मिला है, वह उम्मीद से कहीं ज्यादा रहा है। चाहे अमेरिका में हो या यहां नॉर्वे में। यह देखना वाकई अद्भुत रहा है।

नॉर्वे के कोच स्टेल सोलबक्केन ने कहा, राजा ने हमें पहले ही बता दिया था कि क्या होने वाला है। हम भी थोड़े हैरान थे कि यह इतना बड़ा आयोजन था। इसके अलावा, फुटबॉल पर कुछ अच्छी बातचीत भी हुई।

हालांकि, टीम के टॉप स्कोरर एर्लिंग हालैंड और सैंडर बर्गे इस पब्लिक सेलिब्रेशन में शामिल नहीं हो पाए क्योंकि उन्हें छुट्टी मनाने के लिए दूसरी फ्लाइट पकड़नी थी।

एनआरके के अनुसार सोलबक्केन ने कहा, वे दोनों आए और राजा से बात की, लेकिन हम चार-पांच घंटे देर से पहुंचे थे। उन्हें प्लेन पकड़ने के लिए निकलना था, लेकिन वे पैलेस के अंदर गए और राजा हेराल्ड से बातचीत की। जाने से ठीक पहले तक उन्होंने पूरे प्लान का पालन किया।

विश्व कप से हटाए जाने के बाद डच रेफरी का निधन, 38 साल में थमी जिंदगी

नई दिल्ली (आरएनएस)। डच फुटबॉल रेफरी रॉब डाइपरिंक का निधन हो गया है। उन्हें ब्रिटेन में दर्ज एक पुलिस केस के बाद वर्ल्ड कप में रेफरी की भूमिका से हटा दिया गया था, हालांकि बाद में वह केस वापस ले लिया गया था।

डाइपरिंक की मौत की वजह नहीं बताई गई है। नीदरलैंड्स के फुटबॉल एसोसिएशन ने कहा कि वे डीपरिंक की मौत से हैरान और बहुत दुखी हैं। एसोसिएशन ने कहा, रॉब डीपरिंक के निधन से हम हैरान और बहुत दुखी हैं। रॉब के जाने से फुटबॉल की दुनिया ने अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले एक बहुत सम्मानित रेफरी को खो दिया है, लेकिन सबसे बढ़कर, हमने एक बेहतरीन साथी खो दिया है।

डच फुटबॉल एसोसिएशन ने एक बयान में कहा, हमारी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और उन सभी लोगों के साथ हैं जो उनके करीबी थे। हम कामना करते हैं कि इस बड़े नुकसान को सहने के लिए उन्हें हिम्मत और सांत्वना मिले। फीफा ने भी शोक व्यक्त करते हुए कहा, पूरे फुटबॉल समुदाय की ओर से हम उनके परिवार, दोस्तों और डच फुटबॉल एसोसिएशन के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। उनकी आत्मा को शांति मिले।एक किशोर लड़के के साथ यौन उत्पीड़न की रिपोर्ट के बाद मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने अप्रैल में 38 साल के डाइपरिंक को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन सबूत न होने के कारण मामला बंद कर दिया गया।डीपरिंक को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए वीडियो असिस्टेंट रेफरी अधिकारी के तौर पर चुना गया था, लेकिन मई में उन्हें वर्ल्ड कप अधिकारियों की लिस्ट से हटा दिया गया था।

आपस में बात नहीं करते विराट कोहली और गौतम गंभीर, मीडिया रिपोर्ट के दावे ने छेड़ी नई बहस

नई दिल्ली (आरएनएस)। इंग्लैंड से बुरी तरह टी 20 सीरीज टीम इंडिया में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि स्टार क्रिकेटर विराट कोहली और हेड कोच गौतम गंभीर के बीच अनबन की अटकलें हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के कथित दावे के मुताबिक कोहली और गंभीर के बीच बातचीत भी नहीं हो रही है। वैसे भारत और इंग्लैंड के बीच पहला वनडे आज बर्मिंघम में खेला जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक एजबेस्टन में अभ्यास के दौरान दोनों ने आपस में बात नहीं की। गंभीर बाकी खिलाड़ियों से बात कर रहे थे। उन्हें रोहित शर्मा, शुभमन गिल, केएल राहुल से बात करते हुए देखा गया। रिपोर्ट के मुताबिक एजबेस्टन में अभ्यास के दौरान दोनों ने आपस में बात नहीं की। गंभीर बाकी खिलाड़ियों से बात कर रहे थे। उन्हें रोहित शर्मा, शुभमन गिल, केएल राहुल से बात करते हुए देखा गया।रिपोर्ट के मुताबिक विराट कोहली जब नेट्स में बल्लेबाजी कर रहे थे तो गंभीर दूर से ही उन्हें देखते रहे। इसके बाद विराट की प्रैक्टिस जब खत्म हुई तो उन्होंने हेड कोच से कोई बात नहीं की और सीधे बैटिंग कोच सितांशु कोटक से जाकर मिले। विराट ने

बैटिंग कोच से लंबी चर्चा की। सिर्फ इतना ही नहीं, गंभीर जब टीम के अन्य खिलाड़ियों के संग बातचीत कर रहे थे तो विराट कोहली उन्हें इग्नोर करते हुए अपना किट बैग लिए आगे निकल गए। इस पूरी घटना के बाद अब ये कहा जा रहा है कि टीम इंडिया में नया विवाद शुरू हो गया है।

रोहित-बुमराह-कुलदीप के लौटने से टीम इंडिया होगी मजबूत, नायर ने जताया भरोसा

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में रोहित शर्मा की वापसी से भारत की बल्लेबाजी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि रोहित का अनुभव और शॉर्ट-पिच गेंदबाजी के खिलाफ उनकी कामयाबी का असर तुरंत दिखेगा। अभिषेक नायर ने जियोस्टार पर कहा, टी20 सीरीज में भी भारतीय बल्लेबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती शॉर्ट पिच गेंद थी। रोहित शर्मा ऐसे खिलाड़ी हैं जो शॉर्ट-पिच गेंदबाजी का बखूबी फायदा उठाते हैं और उस पर खूब रन बनाते हैं। अगर आप विदेशी पिचों पर अच्छा खेलते हैं, तो इसकी एक वजह यह है कि आप तेज गेंदबाजी का अच्छे से सामना कर सकते हैं और शॉर्ट गेंद पर रन बना सकते हैं। भारत को शुभमन गिल और रोहित शर्मा दोनों से यही मिलेगा। नायर को लगता है कि रोहित की मौजूदगी ही इंग्लैंड को अपनी गेंदबाजी की रणनीति बदलने पर मजबूर कर सकती है।

फीफा वर्ल्ड कप सेमीफाइनल: फ्रांस और स्पेन की टक्कर आज, जानें कब-कहां देखें मुकाबला

टेक्सास (आरएनएस)। फ्रांस और स्पेन के बीच फीफा विश्व कप 2026 का पहला सेमीफाइनल बुधवार को डलास स्टेडियम में खेला जाएगा। 1998 और 2018 की विजेता फ्रांस और 2010 की विजेता स्पेन के बीच होने वाले इस रोमांचक सेमीफाइनल पर पूरी दुनिया की निगाहें हैं। फ्रांस लगातार तीसरी बार फीफा फाइनल में जगह बनाने से बस एक मैच दूर है, लेकिन स्पेन के रूप में उन्हें मौजूदा यूरोपियन चैंपियन और शानदार फॉर्म में चल रही टीम का सामना करना होगा। डिडियर डेसचैम्प्स की टीम ने सेनेगल, इराक और नॉर्वे के खिलाफ लगातार तीन जीत के साथ ग्रुप स्टेज आसानी से पार किया और फिर राउंड ऑफ 32 में स्वीडन को भी आसानी से हरा दिया। इसके बाद 'लेस ब्लूज' (फ्रांस की टीम) ने अपने खेल का एक अलग अंदाज दिखाया। उन्होंने राउंड ऑफ 16 में मजबूत पैरागुए को हराया और फिर क्वार्टर-फाइनल में मोरक्को को हराकर शानदार प्रदर्शन किया।दूसरी ओर, ग्रुप एच के अपने पहले मैच में काबो वर्डे के साथ चौंकाने वाले गोल-रहित ड्रॉ के बाद, स्पेन ने धीरे-धीरे अपनी लय हासिल की। उन्होंने सऊदी अरब और उरुग्वे को हराकर पहला स्थान हासिल किया और फिर राउंड ऑफ 32 में ऑस्ट्रिया को आसानी से हरा दिया। राउंड ऑफ 16 और क्वार्टर-फाइनल में देर से किए गए गोल अहम रहे। बेंच से आए मिकेल मेरिनो ने पहले पुर्तगाल और फिर बेल्जियम को हराने में मदद की।

और फ्रांस के बीच कुल 38 मैच खेले गए हैं। स्पेन ने 18 और फ्रांस ने 13 मैचों में जीत हासिल की है। 7 मैच ड्रॉ रहे हैं।

फ्रांस और स्पेन का मैच भारतीय समयानुसार बुधवार को (भारतीय समयानुसार 12:30 बजे (एएम)) खेला जाएगा। भारत में फ्रांस बनाम स्पेन सेमीफाइनल मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जी5 प्लेटफॉर्म और ऐप पर उपलब्ध होगी। इसके लिए सब्सक्रिप्शन की जरूरत होगी। वहीं, लाइव टेलीकास्ट यूनाइट8 स्पोर्ट्स 1, यूनाइट8 स्पोर्ट्स 1 एचडी, यूनाइट8 स्पोर्ट्स 2, और यूनाइट8 स्पोर्ट्स 2 एचडी टीवी चैनलों पर उपलब्ध होगा।

फ्रांस टीम

गोलकीपर: माइक मेगनन, रॉबिन रिसर, ब्राइस सांबा डिफेंडर: लुकास डिग्ने, मालो गुस्टो, लुकास हर्नांडेज, थियो हर्नांडेज, इब्राहिमा कोनाटे, जूल्स कौंडे, मैक्सेंस लैक्रोइक्स, विलियम सलीबा, डेयोट उपामेकानोमिडफील्डर: एन'गोलो कांटे, मनु कोने, एड्रियन रबियोट, ऑरेलियन टचौमेनी, वॉरेन जैरे-एमरी फॉरवर्ड: मैग्नेस अक्लिओचे, ब्रैडली बारकोला, रेयान चेर्की, ओस्मान डेम्बेले, डिजायर डू, जीन-फिलिप माटेटा, किलियन एमबीप्पे, माइकल ओलिस, मार्कस थुरम।

स्पेन टीम

गोलकीपर: उनाई साइमन, डेविड राया, जोन गार्सियाडिफेंडर: पेड्रो पोरो, मार्कोस लोरेंटे, आयमेरिक लापोर्टे, पाउ क्यूबर्सी, मार्क पबिल, एरिक गार्सिया, मार्क कुकुरेला, एलेजांद्रो ग्रिमाल्डो मिडफील्डर: रोड्रिगो हर्नांडेज, मार्टिन जुबिमेंडी, पेड्रि गोंजालेज, फैबियन रुइज, मिकेल मेरिनो, पाब्लो पेज 'गावी', एलेक्स बेनाफॉरवर्ड: मिकेल ओयारजाबल, लैमिन यामल, फेरान टोरेस, बोरजा इग्लेसियस, दानी ओल्मो, विक्टर मुनोज, निको विलियम्स, येरेमी पिन।

इंग्लैंड पर भारत की जीत से गदगद दीप्ति के माता-पिता, बोले- यह भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का पल

आगरा (आरएनएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने लॉर्ड्स में खेले गए ऐतिहासिक टेस्ट में मेजबान इंग्लैंड की टीम को शर्मनाक तरीके से हराया। भारतीय टीम ने 270 रन से बड़े अंतर से जीत दर्ज की। इस जीत में अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने भी गेंद और बल्ले से अहम योगदान दिया। टीम इंडिया की जीत के बाद दीप्ति के माता-पिता बेहद खुश नजर आए। दीप्ति के माता-पिता भगवान शर्मा और सुशीला शर्मा ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व पर भरोसा जताया और एशियन गेम्स में टीम की सफलता की कामना की।

कार्यालय वनसंरक्षक, सामाजिक वानिकी वृत्त, बैतूल (म0प्र0)

पता- वन विद्यालय परिसर कालापाठा बैतूल (म.प्र.) पिन :- 460001
E-Mail :- ccfre.btl@mp.gov.in Fax & Phone :- 07141-230475

क्रमांक/कक्ष-स्टोर/2026/1121 बैतूल, दिनांक- 08/07/2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, बैतूल जिले के सामाजिक वानिकी वृत्त, बैतूल के अधीन आने वाली रोपणीयों के अंतर्गत वानिकी कार्यो (रोपणी उपयोग) हेतु वर्ष 2026-27 (31.03.2027 अथवा आगामी निविदा होने तक जो भी पश्चातवर्ती होगा) में लगने वाली भंडार सामग्री के लिये ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु म.प्र. शासन की वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर लॉग-ऑन करे।

निवदा प्रपत्र का मूल्य राशि रूपये 1000/- तथा ऑनलाईन सत्यंकार की राशि रूपये 50000/- है। निविदा प्रपत्र ऑन-लाईन ही क्रय किया जा सकेंगा एवं निविदा ऑनलाईन प्रस्तुत करने पर ही मान्य होगी। निविदा ऑनलाईन प्रस्तुत करने तथा खोलने संबंधी विवरण निम्नानुसार है-

क्र.	विवरण	दिनांक	समय
1.	publishing Date	13-07-2026	निविदा ऑन-लाईन प्रस्तुत
2.	Document Download/Sale start Date	13-07-2026	करने तथा खोलने का समय
3.	Bid submission Start Date	13-07-2026	वेबसाईट
4.	Bid submission Closing Date	03-08-2026	https://mptenders.gov.in
5.	Bid Opening Date	05-08-2026	पर दर्शित है।

जी/15625/26 वनमण्डलाधिकारी

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें सामाजिक वानिकी वृत्त बैतूल

स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंण्डरी स्कूल के दस वर्ष पूरे

विद्यालय में स्प्रिंगडेल्स डे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

नर्मदापुरम (निप्र)। स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंण्डरी स्कूलए नर्मदापुरम द्वारा विद्यालय की स्थापना के दस वर्ष पूरे होने पर स्प्रिंगडेल्स डे अत्यंत हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस वर्ष समारोह की थीम एक दशक की गौरवशाली विरासत उज्ज्वल भविष्य का वादा रही जो विद्यालय की दस वर्षों की उत्कृष्ट उपलब्धियों एवं उज्ज्वल भविष्य के संकल्प को दर्शाती है। बृहस्पति हॉल में आयोजित कार्यक्रम में गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा डायरेक्टर सुभाशीष चटर्जी एवं प्राचार्य श्रीमती मोना चटर्जी ने बढ़ाई। कार्यक्रम में जनरल मैनेजर सोनल सीखी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं वंदना के साथ हुआ। विद्यालय की स्कूल कैप्टन अंजलि झा वाइस कैप्टन आर्यन यादव तथा प्राइमरी विंग के नन्हे विद्यार्थियों ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ मनमोहक सरस्वती वंदना से हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने विद्यालय के मूलमंत्र पर आधारित एक प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति दी जिसमें प्रत्येक विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास समान अवसर एवं संवेदनशील शिक्षा के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। तथा मनमोहक नृत्य के साथ कविताएं भी प्रस्तुत की गईं। विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिकाओं श्रीमती विजया जैन श्रीमती शीतल कंकाले एवं सुश्री बाली कड़वे ने विद्यालय की दस वर्षों की प्रेरणादायी यात्रा उपलब्धियों एवं अविस्मरणीय स्मृतियों को साझा करते हुए विद्यालय की विकास यात्रा का सुंदर चित्र प्रस्तुत किया। वहीं छात्रा आर्या त्रिपाठी ने स्प्रिंगडेल्स में अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यालय द्वारा प्रदान किए गए संस्कार अवसर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति आभार व्यक्त किया।अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में डायरेक्टर सुभाशीष चटर्जी ने विद्यार्थियों को उत्कृष्टता की ओर निरंतर अग्रसर रहने अनुशासन संस्कार एवं मानवीय मूल्यों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने सम्मान एवं कृतज्ञता स्वरूप अतिथियों को अपने हाथों से निर्मित आकर्षक कैनवास पेंटिंग शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया।कार्यक्रम के अंत में स्कूल कैप्टन अंजलि झा ने सभी अतिथियों शिक्षकों अभिभावकों विद्यार्थियों तथा आयोजन को सफल बनाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह विद्यालय की दस वर्षों की गौरवशाली उपलब्धियों का उत्सव होने के साथ.साथ आने वाले वर्षों में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उत्कृष्ट संस्कार एवं नवाचार के माध्यम से विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के संकल्प का प्रतीक बना।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने धान रोपाई मशीन चला रोपी धान पैडी ट्रांसप्लांटर से धान रोपाई का पवारखेड़ा में प्रदर्शन

नर्मदापुरम (निप्र) । कृषक कल्याण वर्ष के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन एवं कृषि अमला नित नवाचार कर रहा है। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा द्वारा मंगलवार को कृषि प्रक्षेप पवारखेड़ा में पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान रोपाई प्रदर्शन कार्यक्रम में स्वयं मशीन चलकर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कृषि अमले को उन्नत तकनीकी का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करने हेतु निर्देश दिए गए। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के निर्देश पर कृषि अमला किसानो की कृषि लागत कम करने एवं आय बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है इसी श्रृंखला में 14 जुलाई 26 को कृषि प्रक्षेप पवारखेड़ा में पैडी ट्रांसप्लांटर मशीन से धान रोपाई का प्रदर्शन किया गया। यह मशीन एक दिन में 8 से 10 एकड़ खेत में धान रोपाई कर देती है जबकि यही कार्य लगभग 100 श्रमिकों द्वारा एक दिन में किया जाता है। आज के कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नर्मदापुरम, देवेंद्र प्रताप सिंह, उपसंचालक कृषि रविकांत सिंह, प्राचार्य कृषि प्रशिक्षण संस्थान यूके शुक्ला, कृषि यंत्री इंदर सिंह धाकड़ एवं भाजपा किसान मोर्चा कुबोटा कंपनी के प्रतिनिधि साजिद व किसान बंधु आदि उपस्थित रहे।

किसानों की समस्याओं को लेकर जिलेभर के किसान आए

नर्मदा तट से रैली निकालकर सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा,भगवती चौरे के नेतृत्व में सैंकड़ों की संख्या में एकत्रित हुए किसान

नर्मदापुरम। किसानों की समस्याओं को लेकर बुधवार को जिले भर के सैंकड़ों की संख्या में किसान। नर्मदा तट से रैली निकाल कर सीएम के नाम ज्ञापन सौपा। किसान नेता भगवती चौरे के नेतृत्व में सैंकड़ों की संख्या में जिले के अनेक ग्रामीण अचंलों से किसान एकत्रित हुए। जिन्होंने डीजे के साथ रैली निकाल कर जमकर नारेबाजी तथा सभा की। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से पूर्व मंडी उपाध्यक्ष पूर्व जनपद अध्यक्ष भगवती चौरे, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत मिवारी, पूर्व जनपद अध्यक्ष संगीता नरेंद्र सौलंकी, जनपद उपाध्यक्ष मंजुलता नीनेंद्र पटेल, राकेश सिंह चौहान, रामनारायण पटेल, सुंदरलाल वारवे, सहित बड़ी संख्या में किसान ने ज्ञापन सौंपने के बाद चेतावनी दी कि यदि जल्दी मांगें पूरी नहीं की जाती है तो उग्र प्रदर्शन करने को मजबूर होना पड़ेगा।

बाजार व्यवस्थित कराने सड़क पर उतरे तहसीलदार और सीएमओ

अलसुबह से देर शाम तक अतिक्रमण दल रहा बाजार में मौजूद

नर्मदापुरम (निप्र) कलेक्टर के निर्देश पर रविवारीय हाट को व्यवस्थित लगवाने के लिए स्वयं सीएमओ वैभव देशमुख और तहसीलदार सुनील शर्मा सड़क पर उतरे। इस दौरान आने वाले सब्जी विक्रेताओं को आटो सहित निर्धारित स्थान पर पहुंचाया गया। मार्ग अवरूद्ध न करने की समझाइश दी गई। साथ ही राजस्व की टीम को सख्त हिदायत दी गई कि सब्जी फल एवं अन्य सामग्री विक्रेताओं को निर्धारित स्थान पर पहुंचाते रहें। कोई भी मार्ग अवरूद्ध न करें। आरएसआई शेख अकबर ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख के मार्गदर्शन में बाजार क्षेत्र को व्यवस्थित किया जा रहा है। व्यापारियों को समझाइश भी दी जा रही है कि अपनी सामग्री निर्धारित स्थान पर ही रखें। राजस्व शाखा के एआरआई शेख अकबर ब्रजेश सारवान शेख सिकंदर नितेश गौरए सतीष रघुवंशी सहित नगरपालिका का अतिक्रमण दल अलसुबह से देर शाम तक बाजार व्यवस्था में लगा रहा।

किसान बंधु प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में (खरीफ 2026) अपनी अधिसूचित फसल का बीमा 31 जुलाई 2026 तक अवश्य कराएं

भोपाल (निप्र) । किसान बंधु वर्ष 2026 में अल-नीनो के संभावित प्रभाव से अनियमित वर्षा एवं प्राकृतिक आपदाओं की संभावना को देखते हुए अपनी खरीफ फसल की सुरक्षा सुनिश्चित करें। किसाान कल्याण विभाग ने किसान बंधुओं से अपील की है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में अपनी अधिसूचित फसल का बीमा 31 जुलाई 2026 तक अवश्य कराएं। फसल बीमा प्राकृतिक आपदा, सूखा, अतिवृष्टि एवं मौसम के कारण होने वाले अन्य जोखिमों से होने वाली आर्थिक हानि से सुरक्षा प्रदान करता है। किसान बंधु अंतिम तिथि का इंतजार न करें, आज ही निकटतम बैंक शाखा, ग्राहक सेवा केन्द्र, फसल बीमा पोर्टल, फसल बीमा ऐप एवं अधिकृत बीमा कंपनी के मध्यस्थ के माध्यम से फसल बीमा कराएं।

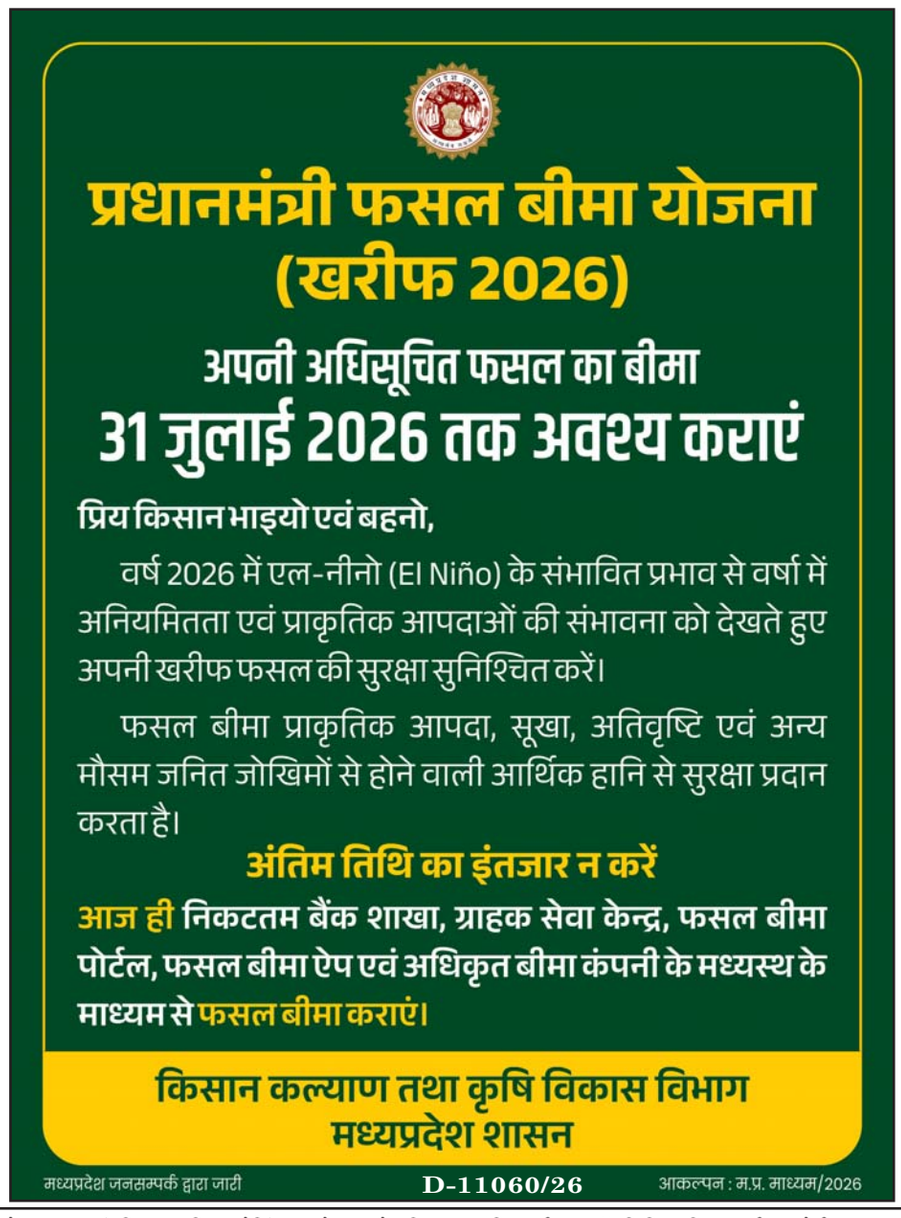

इटारसी में मंगल दिवस पर मनाया गया गोद भराई कार्यक्रम, गर्भवती महिलाओं को दी गई पोषण और स्वास्थ्य की जानकारी

भोपाल (निप्र) । महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा परियोजना इटारसी के अंतर्गत आने वाले समस्त आंगनवाड़ी केंद्रों में मंगल दिवस के अवसर पर गोद भराई कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं का सम्मान करना और सुरक्षित मातृत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 24 स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 75 और 48 में आयोजित कार्यक्रम में वार्ड पार्षद श्रीमती सीमा भदोरिया और अटल बाल पालक श्रीमती आरती मालवीय विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इस दौरान गर्भवती महिलाओं श्रीमती अंशु तिवारी और श्रीमती शिवांगी दुबे की पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ गोद भराई की गई।

कार्यक्रम में प्रभारी परियोजना अधिकारी श्रीमती दीप्ति शुक्ला ने गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच, समय पर टीकाकरण, आयरन और कैल्शियम की गोलियों के नियमित सेवन तथा सुरक्षित प्रसव से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गर्भावस्था के दौरान सही देखभाल से माँ और शिशु दोनों का स्वास्थ्य बेहतर रहता है। कार्यक्रम में वार्ड के गणमान्य नागरिक, महिलाएं और बच्चे भी शामिल हुए। इसे सफल बनाने में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती रचना शर्मा, श्रीमती अमीना और सहायिकाएं श्रीमती सविता श्रीवास एवं श्रीमती करुणा तोमर का विशेष योगदान रहा। परियोजना इटारसी के अन्य आंगनवाड़ी केंद्रों में भी इसी तरह गोद भराई कार्यक्रम आयोजित हुए।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com